mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-30 अंक-55 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
25 फरवरी 2026 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

पश्चिम बंगाल SIR-ओडिशा-झारखंड के सिविल जज करेंगे वेरिफिकेशन में मदद

सुप्रीम कोर्ट बोला- इनका खर्च चुनाव आयोग उठाए; 80 लाख दावों का निपटारा बाकी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया में सामने आए 80 लाख क्लेम निपटाने के लिए 2 राज्यों से सिविल जजों को तैनात करने की परमिशन दे दी है। कोर्ट ने आदेश दिया कि कलकत्ता हाईकोर्ट पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट एसआईआर प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए झारखंड-ओडिशा के सिविल जजों की मदद ले सकता है। CJI सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने चुनाव आयोग से कहा कि वह 28 फरवरी को बंगाल की फाइनल एसआईआर लिस्ट पब्लिश कर सकता है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि वेरिफिकेशन प्रोसेस आगे बढ़ता है तो पोल पैनल सप्लीमेंट्री लिस्ट जारी कर सकता है। इससे पहले 20 फरवरी को, पश्चिम बंगाल सरकार और श्वष्ट के बीच चल रही खींचतान से निराश होकर कोर्ट ने एसआईआर प्रोसेस में पोल पैनल की मदद के लिए मौजूदा और पूर्व जिला जजों को तैनात करने का निर्देश जारी किया था।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा था- क्लेम से निपटने में 80 दिन लग सकते हैं : कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने सुप्रीम कोर्ट को लिखे लेटर में बताया था कि 80 लाख लोगों के क्लेम से निपटने के लिए 250 डिस्ट्रिक्ट जजों को 80 दिन लग सकते हैं। इस पर एक्शन लेते हुए ष्छ्छ्व ने सिविल जजों की मदद लेने की परमिशन दे दी। सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस से कहा कि वे झारखंड और उड़ीसा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस से वहां के ज्यूडिशियल ऑफिसर भेजने की मांग रख सकते हैं। बेंच ने कहा कि इन ऑफिसरों का खर्च चुनाव आयोग उठाएगा। राज्य में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान लिस्ट में से हटाए गए 80 लाख दावों में माता-पिता के नाम, वोटर और उसके माता-पिता के बीच उम्र का अंतर 15 साल से कम या 50 साल से ज्यादा होना शामिल है।

सुप्रीम कोर्ट ने किया अनुच्छेद 142 का इस्तेमाल : सुप्रीम कोर्ट ने अपनी पूरी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए आदेश जारी किया कि बंगाल में सप्लीमेंट्री इलेक्टोरल रोल में वोटरों को फाइनल लिस्ट में शामिल माना जाएगा। यह शक्तियां कोर्ट को संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत मिली हैं। यह अनुच्छेद सुप्रीम कोर्ट को विशेष शक्ति देता है कि वह पूर्ण न्याय के लिए जरूरी आदेश या डिक्री जारी कर सके। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट किसी भी मामले में ऐसा आदेश दे सकता है जो पूर्ण न्याय के लिए जरूरी हो।

त्योहारों में हवाई किराया बढ़ाने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

केंद्र से 4 हफ्ते में जवाब मांगा; सरकार बोली- मामले को हाईलेवल पर देख रहे

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को त्योहारों और इमरजेंसी हालातों में प्राइवेट एयरलाइंस के हवाई किराए बढ़ाने को लेकर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा कि यह एक बहुत गंभीर चिंता का विषय है। वरना, हम 32 पिटीशन पर विचार नहीं करते। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि सिविल एविएशन मिनिस्ट्री इस मुद्दे पर विचार कर रही है। इस पर जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने केंद्र सरकार और डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (DGCA) को विचार करने और जवाब देने के लिए चार हफ्ते का समय दिया है। यह मामला एक जनहित याचिका (PIL) से जुड़ा है, जिसमें प्राइवेट एयरलाइंस के त्योहारों के समय अचानक किराया बढ़ाने और अतिरिक्त शुल्क वसूलने पर कंट्रोल के लिए नियम बनाने की मांग की गई है। एडिशनल सॉलिसिटर जनरल अनिल कौशिक ने अदालत को बताया कि यह मामला आम जनता के हित से जुड़ा है। सरकार और संबंधित विभाग इसे हाईलेवल पर देख रहे हैं। मामले में अगली सुनवाई 23 मार्च को होगी।

याचिका में चेक-इन बैगेज समेत अन्य मुद्दे उठाए गए : एयरलाइंस ने इकोनॉमी क्लास में मुफ्त चेक-इन बैगेज की सीमा 25 किलो से घटाकर 15 किलो कर दी है।

एआई समिट हंगामा-

उदय भानु 4 दिन हिरासत में, पुलिस बोली- IYC प्रेसिडेंट ही मास्टरमाइंड

कांग्रेस ने कहा- गिरफ्तारी मोदी की सनक का नतीजा

नई दिल्ली, एजेंसी। AI इम्पैक्ट समिट हंगामा मामले में इंडियन यूथ कांग्रेस (IYC) के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने 4 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा है। उन्हें आज सुबह तिलक मार्ग थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया गया था।

पुलिस ने 7 दिन की रिमांड मांगी थी और आरोप लगाया कि चिब ही घटना के मास्टरमाइंड हैं। प्रदर्शनकारी उनके निर्देश पर भारत मंडपम में आयोजित समिट में घुसे थे। चिब ने ही उनको लॉजिस्टिक हेल्प की थी।

इधर AI समिट मामले की जांच दिल्ली पुलिस की इंटर-स्टेट क्राइम ब्रांच टीम को सौंपी गई। चिब की गिरफ्तारी पर कांग्रेस ने लिखा कि चिब की गिरफ्तारी असंवैधानिक और तानाशाह नरेंद्र मोदी की सनक का नतीजा है।

राहुल ने लिखा कि कांग्रेस के 'बब्बर शेर' साथियों पर गर्व, जिन्होंने कॉम्प्रोमाइज्ड पीएम के खिलाफ निडर होकर देश के हित में आवाज उठाई।

दरअसल, 20 फरवरी को इंडियन यूथ कांग्रेस के 11 सदस्यों ने भारत मंडपम में घुसकर ढ्ढ समिट के दौरान शर्टलैस होकर पीएम मोदी की फोटो वाली टी-शर्ट लहराई थी। इस दौरान पीएम मोदी इज कॉम्प्रोमाइज्ड के नारे लगाए थे।

कोर्ट रूम लाइव...

- **दिल्ली पुलिस :** चिब का अन्य आरोपियों से आमना-सामना कराना और बड़ी साजिश की जांच के लिए कस्टोडियल पूछताछ जरूरी है। कुछ आरोपी फिलहाल जम्मू, अमेठी और हिमाचल प्रदेश में मौजूद हैं।
- **चिब के वकील :** प्रदर्शनकारियों से 7 से 8 टी-शर्ट बरामद हुई हैं। टी-शर्ट कहीं भी छपवाई जा सकती हैं, पुलिस पूरी फैक्ट्री की जांच की बात कर रही है, केवल इस आधार पर कस्टोडियल इंटरोगेशन की जरूरत नहीं है।

मामले में अब तक 8 आरोपी गिरफ्तार

मध्य प्रदेश के ग्वालियर से भी 3 कांग्रेस नेताओं को गिरफ्तार किया गया है। 4 आरोपी घटना वाले दिन ही गिरफ्तार किए गए थे। चिब को मिलाकर मामले में अब तक 8 गिरफ्तारी हो चुकी हैं। कांग्रेस ने x पोस्ट में लिखा- देश के संविधान ने हर नागरिक को विरोध का अधिकार दिया है। नरेंद्र मोदी इस अधिकार को ही छीन लेना चाहते हैं। हम इन हथकंडों से डरने वाले नहीं हैं।

आज से ट्रम्प के इमरजेंसी टैरिफ की वसूली बंद

समझौते से पीछे हटने वाले देशों को ट्रम्प की धमकी, कहा- गेम मत खेलो, ऊंचे टैरिफ लगाऊंगा

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी सरकार आज से राष्ट्रपति ट्रम्प की तरफ से लगाए गए इमरजेंसी टैरिफ की वसूली बंद कर देगी। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को टैरिफ समझौते से पीछे हटने वाले देशों को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि ट्रेड डील के नाम पर यदि किसी देश ने अमेरिका के साथ 'गेम' खेलने की कोशिश की उसके नतीजे बुरे होंगे साथ ही और ऊंचे टैरिफ लगाए जाएंगे। दरअसल, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 3 दिन पहले इन टैरिफ को गैरकानूनी बताया गया था। अमेरिकी स्कस्टम एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन (CPB) ने एक बयान में कहा-

1977 के कानून इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (IEEPA) के तहत लगाए गए टैरिफ की वसूली मंगलवार रात 12 बजकर 1 मिनट (भारतीय समयानुसार सुबह 10:30 बजे) से बंद कर दी जाएगी। एजेंसी ने इम्पोर्ट्स को निर्देश दिया है कि इन टैरिफ से जुड़े सभी कोड उसके कार्गो सिस्टम से हटा दिए जाएंगे। पेन व्हार्टन बजट मॉडल के अर्थशास्त्रियों के मुताबिक कोर्ट से इस फैसले से अमेरिकी सरकार को 175 अरब डॉलर (15.75 लाख करोड़ रुपए) से ज्यादा की कमाई वापस करनी पड़ सकती है।

राजस्थान में बस-टैक्सी बंद, पैसेंजर्स की सड़क पर लाइनें लगीं

हड़ताल पर गए ऑपरेटर्स की धमकी- चक्काजाम भी करेंगे, जोधपुर में असर नहीं

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में परिवहन विभाग की स्लीपर बसों पर कार्रवाई के विरोध में निजी बस ऑपरेटर्स ने सोमवार रात 12 बजे से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। बस ऑपरेटर्स का दावा है कि प्रदेश की करीब 35 हजार कॉन्ट्रैक्ट कैरिज, स्टेट कैरिज और लोक परिवहन बसों का संचालन बंद हो गया है। जयपुर सहित कई शहरों में मंगलवार सुबस से इसका असर दिख रहा है। हालांकि, जोधपुर में निजी बसें चल रही हैं। वहीं, टैक्सी ऑपरेटर्स ने भी बस हड़ताल को समर्थन दिया है। जयपुर में रोडवेज बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन व शहर से बाहर जाने के लिए प्राइवेट टैक्सी भी नहीं मिल रही हैं। इधर, रोडवेज बसों में मंगलवार सुबह यात्री भार बढ़ गया है।

चक्काजाम की धमकी, जोधपुर में हड़ताल बेअसर : ऑल राजस्थान कॉन्ट्रैक्ट कैरिज बस एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा ने बताया कि सोमवार को उन्हें सचिवालय में वार्ता के लिए बुलाया गया था, लेकिन बातचीत में कोई सहमति नहीं बन सकी। उन्होंने बताया कि सरकार की ओर से आरसी सस्पेंड की गई बसों की सूची मंगवाई गई है और मंगलवार को फिर बातचीत होगी। शर्मा ने बताया कि रात 12 बजे से हड़ताल प्रभावी कर दी गई है।

झारखंड के चतरा में एयर एंबुलेंस क्रैश, 7 की मौत

रांची से दिल्ली जा रहा था विमान; टेकऑफ के 20 मिनट बाद संपर्क टूटा

रांची, एजेंसी। झारखंड से दिल्ली जा रहा एक चार्टेड प्लेन चतरा में क्रैश हो गया। प्लेन में सवार सभी 7 लोगों की मौत हो गई। रेडबर्ड कंपनी का बीचक्राफ्ट किंग एयर B90L एक एयर एंबुलेंस था।

फ्लाइट ने सोमवार शाम 7:11 बजे रांची से उड़ान भरी, 7:34 पर एयरक्राफ्ट का कम्युनिकेशन टूट गया। थोड़ी देर बाद प्लेन झारखंड के चतरा जिले के समरिया के जंगलों में क्रैश हो गया। प्लेन में कैप्टन विवेक विकास भगत (पायलट), कैप्टन सबराजदीप सिंह (को-पायलट), संजय कुमार (मरीज), अर्चना देवी (परिजन), धूरू कुमार (परिजन), विकास कुमार गुप्ता (डॉक्टर), सचिन कुमार मिश्रा (पैरामेडिकल स्टाफ) सवार थे।

मरीज को इलाज के लिए दिल्ली लेकर जा रहा था विमान : रांची के देवकमल हॉस्पिटल के CEO, अनंत सिन्हा ने PTI को बताया कि एयर एम्बुलेंस का इंतजाम एक मरीज ने किया था। उन्होंने कहा, 'लातेहार जिले के चंदवा के रहने वाले मरीज संजय कुमार (41) को 16 फरवरी को 65 परसेंट जलने की हालत में हॉस्पिटल लाया गया था। हॉस्पिटल में उनका इलाज चल रहा था। सिन्हा ने आगे कहा कि परिवार वालों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए दिल्ली ले जाने का फैसला किया। मरीज को लगभग 4.30 बजे हॉस्पिटल से दिल्ली के लिए ले जाया गया। शाम को विमान हादसे में मरीज के साथ जा रहे सभी लोगों की मौत हो गई।

DGCA ने कहा- विमान ने रास्ता बदलने की परमीशन मांगी थी: DGCA ने कहा कि एयरक्राफ्ट ने 7:10 पर रांची से उड़ान भरी थी। 7:30 बजे विमान ने खराब मौसम के कारण रास्ता बदलने (डायवर्जन) की अनुमति मांगी। इसके कुछ ही देर बाद विमान का कोलकाता एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क और रडार कनेक्शन टूट गया। फिर विमान क्रैश हो गया।

लखनऊ में पिता की हत्याकर टुकड़े नीले ड्रम में छिपाए

● वजह- पापा डॉक्टर बनाना चाहते, बेटे को होटल खोलना था

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ में पैथोलॉजी लैब मालिक पिता की 21 साल के इकलौते बेटे ने हत्या कर दी। आरोपी ने बहन के सामने पिता को गोली मारी, फिर आरी से शव के टुकड़े कर नीले ड्रम में भर दिया। सिर को कार में रखकर 21 किलोमीटर दूर फेंक आया। किसी को बताने पर बहन को भी मार देने की धमकी दी। डर की वजह से बहन ने किसी को कुछ नहीं बताया।

पिता का सिर फेंकने के बाद आरोपी घर लौटा और कार की सफाई की। तीन दिन बाद सोमवार को वह थाने पहुंचा और गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने जब पूछताछ शुरू की तो बेटा घबराया नजर आया। शक होने पर सख्ती से पूछताछ की गई, तब उसने जुर्म कबूल कर लिया। उसकी बातें सुनकर पुलिसकर्मी हैरान रह गए। पुलिस उसे लेकर मौके पर पहुंची और शव के टुकड़े बरामद किए, लेकिन सिर नहीं मिला।

आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसके पिता चाहते थे कि वह NEET क्वालीफाई करके MBBS करे। वह इस बात पर अड़ा था कि MBBS के लिए उस पर जबरदस्ती न की जाए। वह पिता से कहता था कि पैथोलॉजी लैब की जगह लॉन या रेस्टोरेंट खोला जाए, जो ज्यादा अच्छा बिजनेस रहेगा। इसी बात को लेकर 20 फरवरी को पिता से बहस हुई। गुस्से में उसने पिता की लाइसेंसी राइफल से गोली मार दी।

वारदात आशियाना कोतवाली क्षेत्र के सेक्टर-रु की है। मृतक मानवेंद्र सिंह वर्धमान पैथोलॉजी लैब के मालिक थे। शराब के कारोबार से भी जुड़े थे। डीसीपी विक्रांत वीर ने बताया- बेटे अक्षत ने ही वारदात को अंजाम दिया। शरीर के कई अंग अभी नहीं मिले हैं, जिन्हें आरोपी की निशानदेही पर खोजा जाएगा।

होली से पहले एसी-स्लीपर कोच फुल, फ्लाइट महंगी

देहरादून से दिल्ली-प्रयागराज रूट की ट्रेनों का स्टेटस नो रूम; वापसी में भी वेटिंग

देहरादून, एजेंसी। होली से पहले ट्रेनें फुल हैं, फ्लाइट के किराए महंगे हो चुके हैं और बसों में सीटों को लेकर मारामारी मची है। देहरादून से देश के अलग-अलग हिस्सों के लिए चलने वाली कई ट्रेनों में नो रूम (इन ट्रेनों में वेटिंग टिकट भी जारी नहीं होगा, यानी सभी सीटें और वेटिंग कोटा फुल) की स्थिति बन गई है, जबकि वापसी की तारीखों में भी लंबी वेटिंग दिख रही है। होली के त्योहारी सीजन में घर लौटने की होड़ तेज हो गई है और 28 फरवरी से 2 मार्च के बीच एसी व स्लीपर कोच में कन्फर्म टिकट मिलना मुश्किल हो गया है। रेलवे के आरक्षण सिस्टम के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, होली से ठीक पहले की तारीखों में यात्रियों का दबाव चरम पर है। देहरादून से दिल्ली, प्रयागराज, अमृतसर, कोटा, गोरखपुर और गुजरात की ओर जाने वाली अधिकांश ट्रेनों में एसी और स्लीपर दोनों श्रेणियों में लंबी वेटिंग चल रही है। कई ट्रेनों में वेटिंग तीन अंकों तक पहुंच चुकी है और कुछ में 'नो रूम' का स्टेटस दिख रहा है। 3 मार्च के बाद कुछ ट्रेनों में आंशिक राहत जरूर दिखाई दे रही है, लेकिन 6 से 10 मार्च के बीच वापसी की तारीखों में फिर से आरएसी और वेटिंग तेजी से बढ़ रही है, जिससे साफ है कि त्योहार के बाद लौटने वाली भीड़ भी उतनी ही ज्यादा रहने वाली है।

स्पाइसजेट की फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग:

दिल्ली से लेह जा रही थी, 150 यात्री सवार थे; उड़ान के दौरान इंजन में खराबी आई

नई दिल्ली, एजेंसी। एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट के बोइंग 737 प्लेन की दिल्ली में इमरजेंसी लैंडिंग हुई। फ्लाइट स्त्र-121 ने मंगलवार सुबह 6.08 बजे दिल्ली के ही आईजीआई एयरपोर्ट से लेह के लिए उड़ान भरी थी।

कुछ देर बाद प्लेन के इंजन-2 में खराबी आ गई। इसके बाद पायलट ने प्लेन वापस दिल्ली की ओर मोड़ लिया। फ्लाइट की 6.49 बजे इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। फ्लाइट में 150 यात्री-क्रू सवार थे।

घटना पर एयरलाइन ने कहा है कि फ्लाइट की सेफ लैंडिंग हुई है। कॉकपिट में किसी तरह की आग का अलर्ट नहीं मिला था। सभी यात्री सुरक्षित हैं।

अंडमान में समुद्र में हेलिकॉप्टर की क्रैश लैंडिंग:

तकनीकी खराबी आई; पवन हंस कंपनी के हेलिकॉप्टर में सवार सभी 7 लोग सुरक्षित

श्री विजयापुरम, एजेंसी। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में मंगलवार सुबह 9.30 बजे एक हेलिकॉप्टर की क्रैश हो गया। घटना के वक्त उसमें 5 यात्री और 2 पायलट मौजूद थे। इनमें 3 महिला, 3 पुरुष और एक बच्चा शामिल हैं।

अधिकारियों ने बताया कि पवन हंस कंपनी के हेलिकॉप्टर ने सुबह 8.30 बजे पोर्ट ब्लेयर से अंडमान के मायाबंदर के लिए उड़ान भरी थी।हेलिकॉप्टर के मायाबंदर एयरपोर्ट पहुंचने के पहले ही उसमें खराबी आ गई। इसके बाद रनवे से 300 मीटर पहले ही समुद्र में हेलिकॉप्टर की क्रैश लैंडिंग कराई गई।नागरिक उड्डयन निदेशक नितेश रावत ने बताया कि घटना में दोनों पायलट और 5 यात्री घायल हुए हैं। सभी को मायाबंदर के डॉ. राजेंद्र प्रसाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

केंद्र सरकार की हेलिकॉप्टर सेवा कंपनी पवन हंस के प्रवक्ता ने बताया कि घटना के बाद पोर्ट ब्लेयर से राहत हेलिकॉप्टर भेजा गया था। मामले की जांच कराई जा रही है।

एक दिन पहले ही झारखंड के चतरा में एयर एंबुलेंस क्रैश में 7 लोगों की मौत हुई थी। प्लेन के दोनों पायलट भी मारे गए थे।

यमुना सिटी में जल्द मिलेगा आवास बनाने का मौका

नोएडा,एजेंसी। नोएडा इंटरनेशल एयरपोर्ट के पास 973 आवासीय भूखंडों की योजना शुरू की जाएगी। यूपी रेरा ने आपत्तियां दूर होने के बाद योजना को मंजूरी दे दी है। इसी महीने योजना शुरू होने की उम्मीद है।यमुना सिटी के सेक्टर 15-सी, सेक्टर-18 और सेक्टर 24-ए में 973 आवासीय भूखंडों की योजना प्रस्तावित है। नोएडा इंटरनेशल एयरपोर्ट के पास 973 आवासीय भूखंडों की योजना शुरू की जाएगी। यूपी रेरा ने आपत्तियां दूर होने के बाद योजना को मंजूरी दे दी है। इसी महीने योजना शुरू होने की उम्मीद है।यमुना सिटी के सेक्टर 15-सी, सेक्टर-18 और सेक्टर 24-ए में 973 आवासीय भूखंडों की योजना प्रस्तावित है। इसमें सर्वाधिक 965 भूखंड 150 से 200 वर्गमीटर के होंगे। इसके अलावा 200 से 250 वर्गमीटर के छह भूखंड और 250 से 500 वर्गमीटर के दो भूखंड हैं। यह प्रस्ताव दो महीने पहले यूपी रेरा को भेजा गया था। रेरा ने योजना पर एकमुश्त भुगतान, लीज टू एग्रीमेंट की शर्त लगाई थी, जिसे अब यीडा ने मान लिया है। ऐसे में माना जा रहा है कि भूखंडों की आवासीय योजना जल्द शुरू हो जाएगी। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के अधिकारियों का कहना है कि इसी महीने या फिर मार्च के पहले हफ्ते में ही योजना शुरू करने पर विचार है।

मेडिकल डिवाइस में कई कंपनी आएंगी : मेडिकल डिवाइस पार्क में भी 8000 वर्गमीटर तक के 22 भूखंडों की योजना में 28 फरवरी तक आवेदन कर सकेंगे। सेक्टर-28 में इन सभी भूखंडों पर अगले महीने तक नई कंपनियां आ सकेंगी। मेडिकल डिवाइस में निवेश को बढ़ावा देने के लिए हाल ही में यीडा टीम ने दुबई में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया था। यीडा के सीईओ आरके सिंह का कहना है कि शहर धीरे-धीरे आकार ले रहा है। ऐसे में यमुना सिटी में हर तरह की सुविधाएं देने की कोशिश की जा रही।

होटल और अस्पताल भी शुरू कर सकेंगे : यमुना सिटी में होटल, दुकान, उद्योग, नर्सरी स्कूल और शिशुग्रह बनाने का भी मौका है। इसके लिए आवेदन करने की तारीख बढ़ाई गई है। यीडा के अधिकारी ने बताया कि क्षेत्र में चार और पांच सितारा होटल के लिए 28 जनवरी को सेक्टर-28 और 29 में 10 भूखंडों की योजना शुरू की गई थी। इनमें आवेदन करने की तिथि 28 फरवरी तक बढ़ा दी गई है। इसी के साथ व्यावसायिक फुट प्रिंट के सेक्टर-22ए में आठ भूखंड और दुकान के लिए सेक्टर-18 और 20 में 10 भूखंडों की योजना भी लाई गई है। सेक्टर-22ई, 20 और 18 में पांच अस्पतालों के लिए भूखंड योजना में 25 फरवरी तक आवेदन किया जा सकता है।

प्ले स्कूल भी खुलेंगे : यीडा ने सेक्टर- 17, 22डी व 18 में नर्सरी स्कूल व शिशु गृह की तीन-तीन भूखंडों पर योजना शुरू की है। इन योजनाओं में पांच मार्च तक आवेदन किए जा सकते हैं। सभी भूखंड आवासीय सेक्टर में हैं। यहां आबादी तेजी से बढ़ रही है। आवासीय सेक्टरों में अब तक 1100 से अधिक मकान बनकर तैयार हो चुके हैं, लेकिन शहर में बच्चों के लिए स्कूलों का अभाव है। यहां छोटे बच्चों के लिए प्ले स्कूल की सुविधा होगी।

स्पेशल चेकिंग में ट्रेन से 100 क्वार्टर अंग्रेजी शराब बरामद, यात्री फरार

जोधपुर एजेंसी।। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल में चलाए जा रहे विशेष जांच अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई सामने आई है। 22 फरवरी को जैसलमेर से रवाना हुई ट्रेन संख्या 20491 जैसलमेर-साबरमती सुपरफास्ट एक्सप्रेस के जनरल कोच में संदिग्ध ट्रॉली बैग मिला। सीनियर डीसीएम हितेश यादव ने बताया कि वाणिज्य निरीक्षक नटवरदान चारण ने 23 फरवरी की रात रानीवाड़ा और भीलड़ी स्टेशनों के बीच बैग की जांच की। पूछताछ के दौरान संदिग्ध यात्री मारवाड़ रतनपुर स्टेशन के पास ट्रेन धीमी होते ही बैग छोड़कर फरार हो गया। तलाशी में बैग से करीब 100 क्वार्टर अंग्रेजी शराब बरामद हुई। बरामद माल को जीआरपी जालोर को सौंप दिया गया।

घर में आग लगने से एक परिवार के 5 बच्चे और 1 महिला की मौत

मेरठ एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मेरठ में बड़ा हादसा हो गया। लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र के इस्लामाबाद गली नंबर-3 स्थित कपड़ों के व्यापारी इकबाल के मकान में अचानक भीषण आग लगने से 5 बच्चों और 1 महिला की जिंदा जलकर मौत हो गई। एक अन्य महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना पर पुलिस, फायर ब्रिगेड और एसपी और डीएम मौके पर पहुंचे। फायर ब्रिगेड ने आग बुझाने के बाद शवों को बाहर निकाला गया। हादसे के वक्त घर के पुरुष नमाज पढ़ने मस्जिद गए थे। मोहम्मद फारुख ने बताया, ÷वह नमाज पढ़ने गए थे, तभी पड़ोसी से घर में आग लगने की सूचना मिली। मौके पर पहुंचे तो पता चला कि परिवार को अस्पताल लाया गया है। यहां पहुंचकर पता चला कि मेरी बेटी की मौत हो गई है। इसके अलावा भाई की पत्नी रुखसार, भतीजा अकदस और दो जुड़वा बेटियों अनामिका-इनाया की मौत हो गई। एसएसपी अविनाश पांडे ने बताया, ÷सोमवार शाम करीब 8÷49 बजे लिसाड़ी गेट इलाके में हमें हाजी इकबाल के घर में आग लगने की सूचना मिली। तीन मिनट के भीतर ही 112 नंबर की आपातकालीन गाड़ी मौके पर पहुंच गई, जिसके बाद अन्य अधिकारी और दमकलकर्मी भी आ गए। घर में फंसे सात लोगों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने 1 महिला और 5 बच्चों को मृत घोषित कर दिया। एक घायल महिला का इलाज चल रहा है। अभी तक शार्ट-सर्किट से आग लगने की आशंका है। बिजली विभाग और फायर ब्रिगेड द्वारा जांच की जा रही है। जिला मजिस्ट्रेट वीके सिंह ने बताया, ÷किदवई नगर, लिसाड़ी गेट स्थित एक आवासीय मकान में आग लग गई और इसकी सूचना हमें रात करीब 9 बजे मिली। आग लगने के कारण की जांच विद्युत विभाग और अग्निशमन विभाग दोनों ने की है।

दिल्ली के पुल प्रह्लादपुर थाने में युवक की संदिग्ध अवस्था में मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी पूर्वी जिले में पुलिस अभिरक्षा में व्यक्ति की मौत का मामला सामने आया है। स्वजन ने जहां प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है, वहीं पुलिस ने इससे इनकार किया है। जानकारी के मुताबिक थाने से 150 मीटर की दूरी पर प्रॉपर्टी डीलर शेर सिंह का मकान है। पास में ही अर्जुन नामक व्यक्ति से प्रॉपर्टी को लेकर उनका तीन वर्ष से विवाद चल रहा है। आस-पास के लोगों के मुताबिक सोमवार को दोनों में विवाद होने पर पुलिस शेर सिंह को थाने ले गई। जहां उनकी तबीयत बिगड़ी। मुंह से झाग निकलने लगा। उन्हें हास्पिटल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। वहीं पुलिस का कहना था कि दोनों के बीच विवाद उनके घर के बाहर ही हुआ। सूचना पर पुलिस जब मौके पर पहुंची तो शेर की तबीयत बिगड़ी मिली।

हार्ट अटैक जैसे लक्षण दिखने पर फौरन एम्स ट्रामा सेंटर ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

शुगर डैडी की तलाश में थी लड़की बेंगलुरु विला गैंगरेप केस में बड़ा ट्विस्ट

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु के रेक्स विला में 19 वर्षीय छात्रा से कथित गैंगरेप केस में बड़ा ट्विस्ट आया है। मुख्य आरोपी ने पीड़िता और उसके साथी पर हनीट्रैप और ब्लैकमेलिंग कर पैसे ऐंठने की क्रॉस-एफआईआर दर्ज कराई है। जानें इस हाई-प्रोफाइल मामले की पूरी सच्चाई। शुगर डैडी की तलाश में थी लड़की? बेंगलुरु विला गैंगरेप केस में बड़ा ट्विस्ट, पीड़िता पर ही लगे आरोप बेंगलुरु के एक विला में हुई कथित गैंगरेप की घटना में एक नया मोड़ आ गया है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, मुख्य आरोपियों में से एक ने 19 वर्षीय पीड़िता द्वारा यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराने से ठीक एक दिन पहले पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोपी का दावा है कि छात्रा और पत्रकार होने का नाटक करने वाले उसके एक साथी ने उसे ब्लैकमेल कर पैसे ऐंठने की कोशिश की है।

आरोपी का दावा÷ब्लैकमेलिंग और जबरन वसूली की साजिश : आरोपी ने 21 फरवरी को अपनी एफआईआर दर्ज कराई थी। अपने बयान में उसने कई बातें कही हैं। आरोपी राजाजीनगर में सेकंड-हैंड कारों का व्यवसाय करता है और जक्कूर में लीज पर एक विला चलाता है, जिसे वह छोटे इवेंट्स के लिए किराए पर देता है। उसके दोस्त डिक्सन ने 14 से 16 फरवरी तक वैलेंटाइन डे के लिए यह विला बुक किया था। आरोपी का दावा है कि वह 14 फरवरी को रात लगभग 2 बजे पार्टी में पहुंचा, जहां वह उस छात्रा से मिला। उसके अनुसार, लड़की ने अपनी निजी समस्याएं शेयर कीं और बहुत अधिक करीब आने की कोशिश की, जिसे उसने नजरअंदाज किया।

शुगर बेबी का दावा : आरोपी के मुताबिक, सुबह 4 बजे पार्टी खत्म होने के बाद लड़की ने उससे ड्रॉप मांगा। रास्ते में उसने कथित तौर पर खुद को एक शुगर बेबी बताया जिसे एक शुगर डैडी की तलाश थी और आरोपी से ऐसे लोगों से संपर्क कराने को कहा। आरोपी ने उसे राजाजीनगर की एक बेकरी के पास ड्रॉप कर दिया।

पैसे की मांग और धमकी : आरोपी का आरोप है कि 18 फरवरी को लड़की ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर उस पर और एक अन्य व्यक्ति पर नशा देकर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया। इसके तुरंत बाद उसे राज न्यूज के क्राइम ब्रांच हेड इमरान के नाम से फोन आने लगे। कॉलर ने अकेले में मिलने और मामले को सेटल्ड करने के लिए पैसों की मांग की। साथ ही धमकी दी कि अगर पैसे नहीं दिए गए तो उनके पास एक बदनाम करने वाला टीवी प्रोमो तैयार है जिसे प्रसारित कर दिया जाएगा। दूसरी ओर, तमिलनाडु की मूल निवासी और बेंगलुरु में पिछले 5 महीने से रहकर फर्स्ट ईयर बीए की पढ़ाई कर रही इस 19 वर्षीय छात्रा ने डिक्सन सांडो और निखिल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्रा की डिक्सन सांडो (21) से जनवरी में इंस्टाग्राम पर जान-पहचान हुई थी। 14 फरवरी की रात कॉलेज और डिनर के बाद, डिक्सन ने उसे नॉर्थ बेंगलुरु के रेक्स विला में पार्टी के लिए बुलाया। वह 15 फरवरी की तड़के अपने एक दोस्त के साथ वहां पहुंची। छात्रा का आरोप है कि पार्टी में डिक्सन ने उसे निखिल (35) से मिलवाया। दोनों ने उसे जबरन एक गुलाबी गोली खिलाई, जिससे उसे चक्कर आने लगे और वह बेहोश हो गई। इसके बाद विला के एक कमरे में बेहोशी की हालत में उसके साथ यौन उत्पीड़न किया गया। पीड़िता का दावा है कि बीच में उसे थोड़ी देर के लिए होश आया था। बाद में आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी दी कि वह यह बात किसी को न बताए और उसे एक मॉल के पास छोड़ दिया। डर के कारण उसने तुरंत पुलिस से संपर्क नहीं किया, लेकिन 17 फरवरी को अस्पताल में इलाज कराने और अपने भाई को जानकारी देने के बाद उसने शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस की वर्तमान कार्रवाई : पुलिस ने छात्रा की शिकायत के आधार पर डिक्सन सांडो और निखिल के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता) की संबंधित धाराओं (यौन उत्पीड़न और आपराधिक धमकी) के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है। वहीं, आरोपी द्वारा दर्ज कराई गई ब्लैकमेलिंग और जबरन वसूली की शिकायत की भी जांच की जा रही है। अधिकारी अब दोनों ही कहानियों की पड़ताल कर रहे हैं ताकि घटना के सही क्रम और सच्चाई का पता लगाया जा सके।

शुगर डैडी क्या है : शुगर डैडी एक ऐसा शब्द है जिसका इस्तेमाल आमतौर पर किसी अमीर और उम्रदराज व्यक्ति (अक्सर पुरुष) के लिए किया जाता है, जो अपने से काफी कम उम्र के व्यक्ति (जिसे शुगर बेबी कहा जाता है) को वित्तीय सहायता, महंगे उपहार या लग्जरी लाइफस्टाइल प्रदान करता है। यह एक तरह का अरेंजमेंट होता है, जिसमें पैसों और भौतिक सुविधाओं के बदले में साथ, डेटिंग या रोमांटिक/शारीरिक संबंध की उम्मीद की जाती है। इसमें दोनों व्यक्तियों के बीच उम्र और आर्थिक स्थिति का बहुत बड़ा अंतर होता है। आमतौर पर यह दोनों पक्षों की आपसी सहमति से तय किया गया रिश्ता होता है, जहां दोनों को पता होता है कि वे इस रिश्ते से क्या चाहते हैं। बेंगलुरु विला केस में आरोपी का यही दावा है कि छात्रा ने खुद को शुगर बेबी बताते हुए उससे किसी शुगर डैडी से मिलवाने की मांग की थी।

कुत्ते ने काट लिया, रेबीज न हो जाए

डर में आकर युवा ने उठाया खौफनाक कदम

ठाणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के ठाणे में एक युवा ने रेबीड के लक्षण दिखाई देने के बाद डर की वजह से आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल से बरामद किए गए सुसाइड नोट में भी रेबीज के डर को ही इस कदम का जिम्मेदार बताया है, वहीं उसके घरवालों ने भी इसकी पुष्टि की है।

महाराष्ट्र के कल्याण से एक दिल सहमा देने वाला मामला सामने आया है। यहां कथित तौर पर एक बैंक कर्मचारी ने रेबीज हो जाने के डर से आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले उसे एक आवारा कुत्ते ने काट लिया था, इसके बाद उसे डर लग रहा था कि कहीं उसे रेबीज जैसी लाइलाज बीमारी न हो जाए। इसी डर में आकर उसने अपनी जिंदगी को खत्म कर लिया।

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक मृतक की पहचान 30 वर्षीय विश्वनाथ अमीन के रूप में हुई है। वह कल्याण पूर्व के तिसगांव नाका इलाके का रहने वाला था। कुछ दिन पहले ही अमीन को एक आवारा कुत्ते ने काट लिया था। समय रहते उन्होंने रेबीज का इंजेक्शन भी लगवा लिया था, लेकिन इसके बाद भी उनके शरीर में कुछ असामान्य बदलाव होने लगे, जिससे परेशान होकर उन्होंने यह खौफनाक कदम उठा लिया।

अमीन के परिवार के मुताबिक, वह पिछले 8 सालों से ठाणे स्थित भारत बैंक में नौकरी कर रहा था। कुछ दिन पहले जब यह घटना हुई, तो वह बहुत परेशान रहने लगा। इंजेक्शन लगवाने के बाद भी उसे बेहद घबराहट और चिंता के लक्षण महसूस हो रहे थे। उसे लगता था कि उसे रेबीज वायरस से जुड़े लक्षण विकसित हो रहे हैं। इसी की वजह से उसने अपनी जिंदगी को खत्म कर लिया। बाद में परिवार ने पुलिस से संपर्क किया। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी मिला है। उसमें भी अमीन ने रेबीज के डर को ही उनके इस कदम की वजह बताया है।

पुलिस ने बताया कि फिलहाल इस मामले में आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर लिया है। मामले से जुड़े लोगों से अमीन की स्थिति को लेकर जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। आत्महत्या के पीछे रेबीज ही वजह थी, या कुछ और यह जांच के बाद ही सामने आएगा।

दिल्ली में बेटी की शादी की इंस्टाग्राम स्टोरी पर खूनखराबा

नई दिल्ली, एजेंसी। सदर बाजार में सोशल मीडिया पर किए गए एक कमेंट को लेकर शुरू हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। इंस्टाग्राम पर बेटी की शादी की स्टोरी पर आपत्तिजनक टिप्पणी का विरोध करने पहुंचे एक व्यक्ति की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान सतीश कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, सतीश की बेटी ने अपनशादी से जुड़ी एक स्टोरी इंस्टाग्राम पर पोस्ट की थी। आरोप है कि आरोपित अश्वनी की बेटी तान्या ने उस पर अपशब्द लिख दिए। इस पर आपत्ति जताने के लिए सतीश अपनी पत्नी सोनिया और बेटी के साथ अश्वनी के घर पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुई और मामला शांत होता नजर आया। सतीश का परिवार घर लौटने लगा, तभी अश्वनी के बेटे अमन ने दोबारा झगड़ा शुरू कर दिया।

ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए वर्ल्ड बैंक से मांगा मोटा कर्ज

गुरुग्राम, एजेंसी। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो परियोजना के निर्माण को लेकर गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल) ने विश्व बैंक से ऋण मांगा है। पिछले सप्ताह दूसरे चरण के टेंडर दस्तावेज को विश्व बैंक के पास भेज दिया है। विश्व बैंक से मंजूरी मिलने में करीब एक महीने का वक्त लग सकता है। इसके बाद टेंडर जारी किया जाएगा। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए वर्ल्ड बैंक से मांगा मोटा कर्ज, त्रस्क्रू ने कितनी रकम का भेजा प्रस्ताव ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो परियोजना के निर्माण को लेकर गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल) ने विश्व बैंक से ऋण मांगा है। पिछले सप्ताह दूसरे चरण के टेंडर दस्तावेज को विश्व बैंक के पास भेज दिया है। विश्व बैंक से मंजूरी मिलने में करीब एक महीने का वक्त लग सकता है। इसके बाद टेंडर जारी किया जाएगा।

पहले चरण में ये होगा रूट : ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो परियोजना की लंबाई करीब 28.5 किमी है। जीएमआरए ने पिछले साल सितंबर माह में इस परियोजना के तहत पहले चरण का टेंडर करीब 1277 करोड़ रुपये में जारी कर दिया था। पहले चरण में मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन से लेकर सेक्टर-नौ तक मेट्रो रूट तैयार होना है। दूसरे चरण में सेक्टर-नौ से लेकर डीएलएफ साइबर सिटी तक मेट्रो मार्ग को तैयार करना है। तीसरे चरण में सेक्टर-33 में मेट्रो डिपो तैयार किया जाना है। सूत्रों की मानें तो जीएमआरएल ने इस परियोजना के तहत करीब 2880 करोड़ रुपये का ऋण विश्व बैंक से मांगा है।

अभी मेट्रो से नहीं जुड़ेगा रेलवे स्टेशन : जीएमआरएल ने सेक्टर-पांच से लेकर रेलवे स्टेशन तक मेट्रो निर्माण की योजना को ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो परियोजना में शामिल किया था। सूत्रों ने बताया कि दो किमी लंबे इस मेट्रो मार्ग को लेकर अभी सर्वे नहीं हुआ है। इसके चलते यदि इस मेट्रो मार्ग को इस परियोजना में शामिल किया जाता है तो विश्व बैंक से ऋण मिलने में देरी होगी। फिलहाल इस मेट्रो मार्ग को ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो परियोजना से बाहर कर दिया है। भौंडसी से रेलवे स्टेशन तक अलग से मेट्रो लाइन तैयार की जाएगी।

जापान के सरकारी स्कूलों की मंथली फीस दुनिया में सबसे कम

टोक्यो, एजेंसी। जापान को दुनिया के सबसे महंगे देशों में गिना जाता है लेकिन जब बात बच्चों के भविष्य और शिक्षा की आती है तो यहां का सिस्टम हैरान कर देता है। अक्सर लोग सोचते हैं कि विकसित देशों में पढ़ाई का खर्च बजट से बाहर होगा लेकिन जापान ने अपनी शिक्षा नीति को इतना लचीला बनाया है कि वहां कई मायनों में पढ़ाई भारत के निजी स्कूलों से भी सस्ती पड़ती है। आइए जानते हैं क्या है जापान का एजुकेशन मॉडल। यहां 15 साल की उम्र तक शिक्षा हासिल करना कानूनी रूप से अनिवार्य है। अच्छी बात यह है कि इस उम्र तक सरकारी स्कूलों में ट्यूशन फीस पूरी तरह माफ होती है। सरकार का मुख्य उद्देश्य यह है कि पैसे की कमी किसी भी बच्चे की बुनियादी शिक्षा में बाधा न बने। पहले जापान में 15 से 18 साल की उम्र (सीनियर हाई स्कूल) के लिए 5,000 से 10,000 येन प्रति माह की फीस ली जाती थी लेकिन साल 2025 से लागू हुए नए नियमों के बाद सरकारी हाई स्कूलों की ट्यूशन फीस को भी लगभग खत्म कर दिया गया है। यानी अब जापान में 12वीं तक की शिक्षा सरकार की ओर से लगभग निशुल्क दी जा रही है। भारत में भी सरकारी स्कूल मुफ्त शिक्षा और मिड-डे मील जैसी सुविधाएं देते हैं। लेकिन जापान की खासियत वहां की क्वालिटी और इंफ्रास्ट्रक्चर है। भारत में जहां मध्यम वर्ग के लोग अच्छी शिक्षा के लिए महंगे प्राइवेट स्कूलों की ओर भागते हैं वहीं जापान में सरकारी स्कूलों का स्तर इतना ऊंचा है

कुत्ते का केवल चाटना ही कितना खतनाक, देख लें...महिला को हुई खतरनाक बीमारी सेप्सिस

लंदन, एजेंसी। हम अक्सर अपने पालतू कुत्तों को परिवार का हिस्सा मानते हैं और उनके प्रति अपना प्यार जताने में कोई कसर नहीं छोड़ते। बदले में, ये वफादार जानवर भी हमें चाटकर अपनी ममता दिखाते हैं। लेकिन क्या आप सोच सकते हैं कि किसी बेजुबान का यही प्यार आपके लिए मौत का पैगाम बन सकता है? ब्रिटेन की 52 वर्षीय मनजीत संघा के साथ हुई रूह कंपा देने वाली घटना ने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है। महज एक पालतू कुत्ते के चाटने की वजह से आज यह महिला अपने दोनों हाथ और पैर गंवा चुकी है।

साल 2025 के जुलाई महीने में मनजीत जब काम से लौटीं, तो उन्हें हल्की बेचैनी महसूस हुई। उन्होंने इसे मामूली थकान समझा होगा, लेकिन अगले ही दिन उनकी हालत बेकाबू हो गई। शरीर ठंडा पड़ने लगा, होंठ नीले हो गए और सांसें उखड़ने लगीं। अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने जो खुलासा किया, वह किसी बुरे सपने जैसा था। मनजीत सेप्सिस नाम की एक बेहद खतरनाक स्थिति से जूझ रही थीं। इलाज के दौरान उन्हें एक नहीं बल्कि 6 बार दिल का दौरा पड़ा। संक्रमण इतना फैल चुका था कि उनकी जान बचाने के लिए डॉक्टरों को उनके दोनों हाथ और घुटनों के नीचे से दोनों पैर काटने का कड़ा फैसला लेना पड़ा। हैरानी की बात यह है कि मनजीत को कुत्ते ने काटा नहीं था। असल में उनके शरीर पर एक छोटा सा घाव या खरोंच थी, जिसे उनके कुत्ते ने प्यार से चाट लिया था। डॉक्टरों के अनुसार, कुत्तों के थूक में कैपनोसाइटोफेगा कैनिमोरसस नाम का एक बैक्टीरिया पाया जाता है। वैसे तो यह सामान्य होता है, लेकिन अगर यह किसी जख्म के जरिए इंसान के खून में मिल जाए, तो यह सेप्सिस पैदा कर सकता है। सेप्सिस वह स्थिति है जहाँ शरीर का अपना रक्षा तंत्र (इम्यून सिस्टम) ही खुद के अंगों को नष्ट करने लगता है। इससे अंगों में सूजन आ जाती है, ब्लड प्रेशर गिर जाता है और शरीर के अंग काम करना बंद कर देते हैं। यह घटना हमें डराने के लिए नहीं, बल्कि जागरूक करने के लिए है। अगर आप भी पेट लवर हैं, तो कुछ बातों का खास ख्याल रखें।

बालेन ने आरएसपी के चुनाव घोषणा पत्र से नेपाल चीन मैत्री औद्योगिक पार्क के मुद्दे को हटाया

काठमांडू,एजेंसी। झापा के दमक में चीन के अरबों रुपए के निवेश से बन रहे नेपाल-चीन मैत्री औद्योगिक पार्क के मुद्दे को राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बालेंद्र (बालेन) शाह ने सोमवार को जारी अपने चुनावी घोषणा पत्र से इसे हटा दिया। शाह झापा-5 निर्वाचन क्षेत्र में सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को चुनौती दे रहे हैं। यह परियोजना चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा शुरू की गई बहु-महाद्वीपीय आधारभूत संरचना योजना बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) का हिस्सा है। फरवरी 2021 में ओली ने झापा जिले में इस परियोजना की आधारशिला रखी थी।

यह मेगा परियोजना झापा-5 निर्वाचन क्षेत्र में आती है। यह ओली का अपना क्षेत्र है। शाह के यहां से चुनाव लड़ने की घोषणा के बाद यह क्षेत्र नेपाल के भीतर और बाहर दोनों जगह चर्चा का केंद्र बन गया है। पांच मार्च को होने वाले चुनाव से पहले दोनों नेताओं ने अपने-अपने चुनावी एजेंडे सार्वजनिक कर दिए हैं। ओली ने पिछले मंगलवार जारी अपने 41 सूत्रीय 'प्रतिबद्धता पत्र' में औद्योगिक पार्क के निर्माण और उसे पूरा कराने की प्रतिबद्धता दोहराई है। वहीं शाह ने इसे अपने घोषणा-पत्र में शामिल नहीं किया है।

शाह के सहयोगी कुमार व्यंजनकार ने संक्षिप्त टिप्पणी में कहा, 'हम परियोजना और उससे जुड़े विवादों से अवगत हैं, इसलिए हमने इसे शामिल नहीं करने का निर्णय लिया।' चार दिसंबर 2024 में ओली की चीन यात्रा के दौरान नेपाल और चीन के बीच बेल्ट एंड रोड कॉपरेटिव फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर हुए, जिसमें नेपाल-चीन मैत्री औद्योगिक पार्क समेत 10 परियोजनाओं को सूचीबद्ध किया गया। परियोजना को घोषणा-पत्र से हटाए जाने के बाद औद्योगिक पार्क परियोजना समिति के अध्यक्ष गोविंद थापा ने सोमवार को फेसबुक पर लंबी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि परियोजना में देरी का कारण नेपाल के भीतर की समस्या नहीं, बल्कि 'विदेशी बाधाएं' हैं। उन्होंने कहा कि यह औद्योगिक पार्क आम जनता के लिए वस्तुओं के उत्पादन हेतु बनाया जा रहा है, न कि हथियार या मिसाइल बनाने के लिए, और इससे हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने आरएसपी और बालेन शाह पर विदेशी निवेश का विरोध करने का आरोप भी लगाया।

यह परियोजना नेपाल-भारत सीमा के निकट स्थित है, विशेषकर संवेदनशील सिलीगुड़ी कॉरिडोर (जिसे 'चिकन नेक' भी कहा जाता है) के पास। यह संकरा भूभाग पूर्वोत्तर भारत को शेष भारत से जोड़ता है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, इस स्थान को लेकर भारत सहित बाहरी चिंताएं मौजूद हैं।

कई विशेषज्ञ और विदेश राजनीतिक मामलों के जानकार चीन द्वारा भारतीय सीमा क्षेत्र के पास बनाए जा रहे इस औद्योगिक पार्क को लेकर भारत की संवेदनशीलता और सुरक्षा को ध्यान में रखने का लगातार सुझाव देते रहे हैं। नेपाल में भी राजनीतिक मामलों के जानकार और पूर्व प्रधानमंत्री शेरबहादुर देउवा के विदेश मामलों के सलाहकार रह चुके अरुण सुवेदी ने कहा कि भारत अपनी सुरक्षा चिंताओं को लेकर सतर्क है और नेपाल को अपनी संप्रभुता से समझौता किए बिना पड़ोसी देशों की सुरक्षा संवेदनशीलता का भी ध्यान रखना चाहिए। परियोजना का विकास ल्हासा आर्थिक एवं प्रौद्योगिकी विकास क्षेत्र जिंगपिंग संयुक्त निर्माण कंपनी द्वारा किया जा रहा है। निवेश बोर्ड नेपाल (आईबीएन) की 47वीं बैठक में इस परियोजना के लिए 64 अरब रुपये के चीनी निवेश को मंजूरी दी गई थी। प्रस्तावित औद्योगिक पार्क दमक के रतुवा और मावा नदियों के बीच लगभग 2,200 बीघा (लगभग 1,489.98 हेक्टेयर) क्षेत्र में विकसित किया जा रहा है। यह परियोजना सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत विकसित की जाएगी। अब तक 26 चीनी कंपनियां पार्क में संचालन शुरू करने की प्रतिबद्धता जता चुकी हैं, जबकि 98 अन्य कंपनियों का प्रस्ताव विभिन्न चरणों में विचाराधीन हैं।

जापान के सरकारी स्कूलों की मंथली फीस दुनिया में सबसे कम

टोक्यो, एजेंसी। जापान को दुनिया के सबसे महंगे देशों में गिना जाता है लेकिन जब बात बच्चों के भविष्य और शिक्षा की आती है तो यहां का सिस्टम हैरान कर देता है। अक्सर लोग सोचते हैं कि विकसित देशों में पढ़ाई का खर्च बजट से बाहर होगा लेकिन जापान ने अपनी शिक्षा नीति को इतना लचीला बनाया है कि वहां कई मायनों में पढ़ाई भारत के निजी स्कूलों से भी सस्ती पड़ती है। आइए जानते हैं क्या है जापान का एजुकेशन मॉडल। यहां 15 साल की उम्र तक शिक्षा हासिल करना कानूनी रूप से अनिवार्य है। अच्छी बात यह है कि इस उम्र तक सरकारी स्कूलों में ट्यूशन फीस पूरी तरह माफ होती है। सरकार का मुख्य उद्देश्य यह है ।

राज्यपाल के दो दिवसीय दौरे हेतु व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश

25-26 फरवरी को सीधी प्रवास, सिकलसेल शिविर व हितग्राहियों से संवाद करेंगे राज्यपाल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मंगुभाई पटेल के 25 से 26 फरवरी 2026 तक प्रस्तावित प्रवास को दृष्टिगत रखते हुए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने सभी विभागीय अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं समय-सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं बैठक में जानकारी दी गई कि राज्यपाल 25 फरवरी को जिले में आगमन करेंगे तथा दो दिवसीय प्रवास के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वे सिकलसेल एनीमिया हेल्थ चेकअप कैम्प का निरीक्षण करेंगे। इसके साथ ही शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से

लाभान्वित हितग्राहियों से संवाद करेंगे और योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करेंगे। प्रवास के दौरान वे प्रधानमंत्री आवास योजना के एक हितग्राही के आवास पर गृह भेंट भी करेंगे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोलंकी ने कार्यक्रम स्थलों पर सुरक्षा, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, साफ-सफाई, स्वास्थ्य सेवाएं तथा अन्य मूलभूत व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समन्वय बनाकर कार्य करने तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने की हिदायत दी। अनुविभागीय अधिकारी मझौली को प्रोटोकॉल के अनुरूप ड्यूटी आदेश जारी करने के निर्देश भी प्रदान किए गए। बैठक में अनुविभागीय अधिकारी गोपद बनास राकेश शुक्ला, अनुविभागीय अधिकारी मझौली आर.पी. त्रिपाठी सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। अन्य अनुविभागीय अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, तहसीलदार एवं खंड स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

पुलिस ने गांजा तस्कर को दबोचा, 3 साल पहले 87 किलो गांजा छोड़कर भागा था; जंगल के रास्ते हुआ था फरार

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले की ब्यौहारी पुलिस ने गांजा तस्करी के एक बड़े मामले में फरार चल रहे आरोपी को आखिरकार गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है। आरोपी तीन साल पहले 87 किलो गांजा से भरी कार छोड़कर जंगल के रास्ते फरार हो गया था। यह घटना वर्ष 2023 की है, जब पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक इकोस्पोर्ट कार रीवा की ओर जा रही है, जिसमें भारी मात्रा में गांजा रखा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर वाहन का पीछा किया। हालांकि, चालक कार को जंगल के रास्ते ले गया और अंधेरे का फायदा उठाकर गांजा से भरी कार छोड़कर फरार हो गया था घटना के दिन पुलिस ने मौके से कार जब्त कर तलाशी ली थी। तलाशी के दौरान वाहन से 87 किलो गांजा बरामद किया गया था। उस समय आरोपी की पहचान नहीं हो सकी थी और वह लगातार पुलिस की गिरफ्त से बाहर रहा।

मामले की फाइल खुली रही लेकिन कोई ठोस सुराग नहीं मिल पा रहा था। हाल ही में थाना प्रभारी जिया उल हक ने मामले की जांच दोबारा तेज की। कार के नंबर के आधार पर वाहन की जानकारी खंगाली गई तो पता चला कि वाहन छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले के अकलतरा थाना क्षेत्र में पंजीकृत था। पुलिस जब वाहन मालिक तक पहुंची तो उसने बताया कि उसने घटना से पहले वर्ष 2023 में बिलासपुर स्थित एक ऑटो डीलर के माध्यम से वाहन इमरान पिता मुबारक खान को बेच दिया था। इसके बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने बिलासपुर पहुंचकर दबिश दी और आरोपी इमरान पिता मुबारक खान को गिरफ्तार कर लिया। मंगलवार को आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया थाना प्रभारी जिया उल हक के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई को पुलिस की बड़ी सफलता माना जा रहा है। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह कार खरीदने के बाद गांजे की खेप लेकर जा रहा था, तभी पुलिस ने पीछा किया और वह वाहन छोड़कर भाग निकला था। पुलिस अब मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

ग्राम दुआरी में नहर निर्माण, पेयजल, बिजली एवं भूमि संबंधी समस्याओं को लेकर आंदोलन तेज

मीडिया ऑडीटर, रीवा, (निप्र)। तहसील गुढ़ अंतर्गत ग्राम दुआरी में विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर 23 अक्टूबर से प्रारंभ हुआ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) का अनिश्चितकालीन अनशन दूसरे दिन भी जारी रहा आंदोलन का नेतृत्व भाकपा के राज्य परिषद सदस्य एवं जिला पंचायत सदस्य वार्ड क्रमांक 15 कामरेड लालमणि त्रिपाठी तथा जिला परिषद सदस्य हरिश्चंद्र पांडेय कर रहे हैं। कामरेड लालमणि त्रिपाठी ने बताया कि गुढ़ तहसील क्षेत्र में वर्षों से लंबित समस्याओं के निराकरण हेतु प्रशासन का ध्यान आकृष्ट करने के उद्देश्य से यह अनशन शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि अधूरी पड़ी नहरों के कारण किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है, जिससे फसलें प्रभावित हो रही हैं और किसान आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं।

आंदोलनकारियों ने अधूरी नहरों का निर्माण शीघ्र पूर्ण कराने तथा बहुती केनाल एवं बाणसागर नहर परियोजना से तत्काल पानी छोड़े जाने की मांग की है, ताकि गुढ़ विधानसभा क्षेत्र सहित बड़ागांव बंजारी, बघमड़ा, अमिरती, रकरिया, रायपुर कर्चुलियान, बदवार एवं बरसैता क्षेत्र में जल संकट दूर हो सके। इसके अतिरिक्त क्षेत्र में जर्जर विद्युत तारों को बदलने, जले हुए ट्रांसफार्मरों को प्रतिस्थापित करने, खराब हैंडपंपों की मरम्मत कराने तथा ग्राम दुआरी कन्या हाई स्कूल के प्राचार्य पर छात्राओं के परीक्षा फार्म समय पर न भरने के मामले में कार्रवाई की मांग की गई है। साथ ही आदिवासी एवं हरिजन समुदाय को सीलिंग भूमि का सीमांकन, ग्राम दुआरी को उप तहसील घोषित करने, शराब दुकान बंद कराने, भूमिहीनों को आवास हेतु भूमि आवंटन एवं शासकीय भूमि पर निवासरत परिवारों को पट्टा प्रदान करने की मांग भी प्रमुख रूप से उठाई गई। धरना स्थल पर पीएचई विभाग के एसडीओ अतुल तिवारी सहित अन्य अधिकारी पहुंचे और आंदोलनकारियों से चर्चा की। बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल दो दिवसीय प्रवास पर आएंगे सीधी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला सत्कार अधिकारी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार मंगुभाई पटेल 25 फरवरी 2026 से 26 फरवरी 2026 तक दो दिवसीय प्रवास पर सीधी जिला आएंगे। उनके प्रस्तावित दौरा कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं जारी कार्यक्रम के अनुसार राज्यपाल 25 फरवरी 2026 को सायं 5:15 बजे परसिली हेलीपैड, सीधी पहुंचेंगे आगमन उपरांत वे परसिली रिसॉर्ट के लिए प्रस्थान करेंगे। प्रवास के प्रथम दिवस उनका समय आरक्षित रहेगा तथा वे परसिली रिसॉर्ट में ही रात्रि विश्राम करेंगे। दौरे के दूसरे दिन 26 फरवरी 2026 को प्रातः 10:30 बजे ग्राम परसिली में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के हितग्राहियों से संवाद करेंगे तथा योजनाओं के

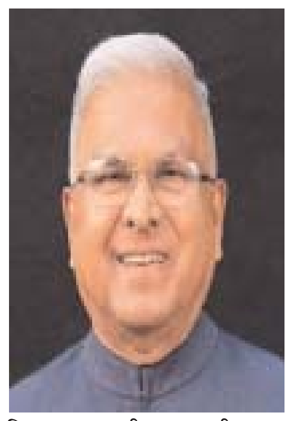

क्रियान्वयन की जानकारी प्राप्त करेंगे। इसके पश्चात वे ग्राम चमराडोल पहुंचकर हितग्राही ओम प्रकाश बैगा एवं उनके परिजनों से गृह भेंट करेंगे और योजनाओं से हुए लाभ का प्रत्यक्ष अवलोकन करेंगे निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दोपहर 1:00 बजे राज्यपाल परसिली हेलीपैड से डुमना एयरपोर्ट, जबलपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

कुसमी पुजेरी हत्याकांड: तहसील परिसर में अनिश्चितकालीन धरना प्रशासन की अनुपस्थिति से ग्रामीणों का आक्रोश बढ़ा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कुसमी क्षेत्र में हुए पुजारी हत्याकांड को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है। मंगलवार को न्याय की मांग को लेकर सैकड़ों ग्रामीणों और व्यापारियों ने तहसील कार्यालय और एसडीएम दफ्तर का घेराव कर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। इस विरोध प्रदर्शन के समर्थन में कुसमी का पूरा बाजार बंद रहा और सड़कों पर सन्नाटा पसरा नजर आया।

प्रशासन की गैरमौजूदगी से बढ़ा आक्रोश: धरना प्रदर्शन के दौरान उस समय स्थिति और तनावपूर्ण हो गई जब प्रदर्शनकारियों को पता चला कि एसडीएम और तहसीलदार कार्यालय में मौजूद नहीं हैं स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि इतनी बड़ी घटना के बाद भी प्रशासनिक अधिकारियों का मौके पर न होना उनकी

संवेदनशीलता पर सवाल खड़े करता है। हालांकि, प्रशासन की ओर से जानकारी दी गई कि अधिकारी जनगणना से जुड़े जरूरी कार्यों के लिए कलेक्ट्रेट गए हुए हैं। धरने पर बैठे लोगों ने प्रशासन के सामने स्पष्ट मांगें रखी हैं और कार्रवाई न होने तक हटने से इनकार कर दिया है। मृतक पुजारी के परिजनों को 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाए आरोपियों के अवैध निर्माण और अतिक्रमण को तत्काल जमींदोज किया जाए क्षेत्र में संचालित अवैध बूचड़खानों को पूरी तरह हटाया जाए। लोगों ने बताया कि इस आंदोलन में केवल ब्राह्मण समाज के साथ बल्कि व्यापारी वर्ग और आम नागरिक भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि जब तक दोषियों पर कड़ी कार्रवाई और पीड़ित परिवार को उचित न्याय नहीं मिलता, यह धरना समाप्त नहीं होगा।

जनसुनवाई में 104 आवेदनों की सुनवाई, 17 को मिला सुगम टोकन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला पंचायत सभागार में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने आम नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। जनसुनवाई के दौरान कुल 104 आवेदनों पर सुनवाई की गई और संबंधित विभागीय अधिकारियों को सभी प्रकरणों का समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही कर हितग्राहियों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगवाए जाएं। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए जनसुनवाई में दूरस्थ क्षेत्रों से बड़ी संख्या में नागरिक अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे थे। जरूरतमंद हितग्राहियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 'सुगम टोकन' व्यवस्था के अंतर्गत 17 व्यक्तियों को निःशुल्क घर वापसी हेतु टोकन प्रदान किए गए। इस पहल से ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को राहत मिली है कार्यक्रम में उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास राकेश शुक्ला सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। अन्य संबंधित अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनसुनवाई में शामिल हुए और अपने-अपने विभाग से जुड़े प्रकरणों पर आवश्यक जानकारी दी।

रजमिलान कॉलेज में पढ़ाई ठप, न छात्र-प्रोफेसर मिले; एबीवीपी नेता ने वीडियो वायरल किया

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के शासकीय महाविद्यालय रजमिलान में मंगलवार को पठन-पाठन पूरी तरह ठप रहा। कॉलेज परिसर में न तो कोई छात्र-छात्राएं मौजूद थे और न ही प्रोफेसर या अतिथि विद्वान दिखाई दिए। इस अव्यवस्था का खुलासा तब हुआ जब अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) बैढ़न के नगर मंत्री राहुल कुमार अचानक महाविद्यालय पहुंचे। उन्हें पूरा परिसर सूना मिला। राहुल कुमार ने बताया कि अधिकांश कक्षाओं में ताले लटके थे और केवल एक भृत्य ही मौजूद था। उन्होंने मौके पर ही वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिससे शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। इस संबंध में कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य एम.यू. सिद्दीकी से संपर्क किया गया। उन्होंने बताया कि यह मामला उनके संज्ञान में नहीं था। नियमित प्राचार्य अवकाश पर हैं। सिद्दीकी ने कहा कि उन्हें फिलहाल यह जानकारी नहीं है कि मंगलवार को छात्र-छात्राएं और प्रोफेसर क्यों नहीं पहुंचे। उन्होंने पूरे मामले की जांच कर स्थिति स्पष्ट करने की बात कही शासकीय महाविद्यालय रजमिलान में लगभग 250 छात्र-छात्राएं बीए और बी-कॉम की पढ़ाई करते हैं। इसके बावजूद एक भी कक्षा न लगना कॉलेज प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाता है। विद्यार्थी परिषद ने आरोप लगाया है कि प्रभारी प्राचार्य के भरोसे कॉलेज चलाने से छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। अब देखना होगा कि वायरल वीडियो के बाद प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करता है।

मेटरनिटी ओटी में नर्स पर लापरवाही का आरोप, डॉक्टरों ने सिविल सर्जन से की हटाने की मांग

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। डॉक्टरों ने मेटरनिटी ओटी में नर्स पर लापरवाही का आरोप लगाया है। जिला अस्पताल के मेटरनिटी विंग में कार्यप्रणाली को लेकर विवाद सामने आया है। गायनिक विभाग के सभी चिकित्सकों ने सिविल सर्जन को सामूहिक ज्ञापन सौंपकर मेटरनिटी ओटी में पदस्थ एक नर्सिंग अधिकारी को हटाने की मांग की है। डॉक्टरों का कहना है कि मेटरनिटी ओटी में पदस्थ नर्सिंग अधिकारी रश्मि राव की कार्यशैली से ऑपरेशन के दौरान दिक्कतें आ रही हैं। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि वह ओटी के कार्यों में अपेक्षित रुचि नहीं ले रही हैं और केस असिस्ट करने में लापरवाही बरत रही हैं। चिकित्सकों ने ज्ञापन में उल्लेख किया है कि संबंधित नर्स की कार्यकुशलता और व्यवहार में कमी के कारण सामान्य मामलों में भी अनावश्यक जटिलताएं उत्पन्न हो रही हैं। उनका कहना है कि इससे मरीज की स्थिति बिगड़ने का खतरा बढ़ जाता है। डॉक्टरों ने यह भी लिखा है कि भविष्य में अगर किसी प्रकार की जटिलता होती है तो उसकी जिम्मेदारी संबंधित नर्सिंग अधिकारी की होगी।

रेलवे ठेकेदार पर अवैध खनन का आरोप, बिना अनुमति सैकड़ों हाइवा मुरुम निकासी; हरे पेड़ काटे, ग्रामीण आक्रोशित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मंगलवार सुबह क्षेत्र में अवैध खनन की शिकायत मिलने के बाद प्रशासन हरकत में आया। ग्राम पटेहरा, गोपालपुर और आसपास के कई इलाकों में रेलवे कार्य से जुड़े एक ठेकेदार पर बिना ट्रांजिट पास (टीपी) और वैधानिक अनुमति के मुरुम खनन का आरोप लगा है। आरोप है कि ठेकेदार ने लागत बचाने के लिए नियमों का उल्लंघन करते हुए बड़े पैमाने पर खुदाई करवाई, जिसके लिए तहसीलदार से आवश्यक अनुमति नहीं ली गई थी। स्थानीय सूत्रों और ग्रामीणों के अनुसार, खनन कार्य में भारी मशीनरी का उपयोग किया गया और सैकड़ों हाइवा वाहनों से

मुरुम निकाली गई। इन वाहनों के लगातार आवागमन से ग्रामीण सड़कों को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे कई मार्गों पर गड्ढे हो गए हैं। इससे आमजन को आवागमन में परेशानी हो रही है और धूल तथा प्रदूषण से ग्रामीणों का जीवन प्रभावित हो रहा है ग्रामीण राधेश्याम लोनिया ने बताया कि खनन के कारण वातावरण में धूल का स्तर बढ़ गया है, जिससे सांस लेने में कठिनाई हो रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि खनन के दौरान हरे-भरे पेड़ों की कटाई की जा रही है, विशेषकर बड़े आम के पेड़ों को जेसीबी मशीनों से तोड़ा गया है, जिससे पर्यावरणीय क्षति की चिंता बढ़ गई है इस मामले की शिकायत प्रशासनिक अधिकारियों तक पहुंचाई गई है। नायब तहसीलदार महेंद्र द्विवेदी ने अवैध खनन की शिकायत मिलने की पुष्टि की है और जांच के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट के आधार पर उचित और वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

अडानी कोल ब्लॉक पर घमासान: 6,600 एकड़ अधिग्रहण और 6 लाख पेड़ों की कटाई

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। किसान संघर्ष समिति ने ग्राम बांसी बेरदाह में पाँचवीं किसान पंचायत आयोजित कर अडानी समूह द्वारा धिरौली ब्लॉक के आठ गाँवों में लगभग 6,600 एकड़ भूमि अधिग्रहण और 1400 हेक्टेयर क्षेत्र में पेड़ों की कटाई को अवैध बताते हुए कार्रवाई की माँग की। समिति का आरोप है कि 6 लाख से अधिक पेड़ काटे जाने के बाद भी आदिवासी परिवारों को आज तक समुचित मुआवजा नहीं मिला। पंचायत को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुनीलम ने कहा कि कंपनियाँ लालच दबाव और सीएसआर के जरिए आंदोलनों को कमजोर करती हैं लेकिन किसान एकजुट हैं। कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह ने घोषणा की कि मार्च के अंतिम सप्ताह में फिर आंदोलन किया जाएगा। महिला जिला अध्यक्ष सोनमती ने जमीन के बदले जमीन या 1 करोड़ रुपये प्रति एकड़ मुआवजा और हर विस्थापित परिवार को स्थायी नौकरी की मांग दोहराई। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी ने जल्द गांव आने का आश्वासन दिया है। समिति ने चेतावनी दी कि सड़क से न्यायालय तक संघर्ष जारी रहेगा।

लगातार कठिन होता संसद का चलना

संपादकीय

लोकसभा अध्यक्ष ने कांग्रेस के सांसदों का निलंबन तब किया, जब वे वेल में जाकर लगातार अध्यक्ष की ओर कागज फेंक रहे थे, कोई आदेश या नियमन नहीं मान रहे थे। सदन संचालन के नियम और परंपरा हैं। उन्हें रौंदने पर उतारू लोगों के विरुद्ध अध्यक्ष को फैसला करना ही पड़ेगा। अवधेश कुमार। भारत की राजनीति आज ऐसी अवस्था में पहुंच गई है, जिसकी कल्पना नहीं की जाती थी। यह भारत के संसदीय इतिहास की अत्यंत गंभीर स्थिति है, जब लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया गया, तो उसके समानांतर विपक्ष के नेता राहुल गांधी के विरुद्ध सब्सटेंसिव मोशन। राहुल गांधी के विरुद्ध भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर सब्सटेंसिव मोशन लाने की मांग की है। भाजपा ने पहले राहुल गांधी के विरुद्ध विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाने की बात की थी, किंतु अब सब्सटेंसिव मोशन लाने की पहल की है। सब्सटेंसिव मोशन विशेषाधिकार हनन से ज्यादा गंभीर होता है। सब्सटेंसिव मोशन स्वतंत्र प्रस्ताव होता है, जिसमें किसी सांसद के विरुद्ध स्पष्ट निर्णय सामने आता है। इस प्रस्ताव पर बहस और मतदान होता है तथा पारित होने पर सदन का आधिकारिक रुख और मत प्रकट होता है। यानी संबंधित सांसद का आचरण और चरित्र संसद के अनुकूल है या नहीं, उन्हें सांसद होना चाहिए या नहीं, उन्हें भविष्य में चुनाव लड़ने देना चाहिए या नहीं आदि। इसके आधार पर उनके खिलाफ कार्रवाई हो सकती है और सदन की सदस्यता भी जा सकती है। चुनाव आयोग को उन्हें चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित करने की अनुशंसा भी की जा सकती है। जो भी हो, अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस मिलने के बाद से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में आना बंद कर दिया। अविश्वास प्रस्ताव के बाद बहस और परिणाम तक लोकसभा अध्यक्ष सदन की कार्यवाही की अध्यक्षता नहीं कर सकते, लिहाजा उन्होंने यह निर्णय लिया है। यही बात किसी सांसद या विपक्ष के नेता पर लागू नहीं होती। विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव या सब्सटेंसिव मोशन स्वीकृत होने के बावजूद संबंधित सदस्य हिस्सा ले सकते हैं। उन्हें अपना पक्ष रखने का समय दिया जा सकता है। लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर नौ मार्च को बहस होने की संभावना है। उसी दौरान यह पता चलेगा कि राहुल गांधी के खिलाफ सब्सटेंसिव मोशन स्वीकृत होता है या नहीं? चूंकि लोकसभा में भाजपा नेतृत्व वाले राजग को बहुमत है इसलिए ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव गिर जाएगा। यह बात सब्सटेंसिव मोशन पर लागू नहीं होती। बहुमत के आधार पर राजग राहुल गांधी के विरुद्ध कार्रवाई का प्रस्ताव पारित कर सकता है। हालांकि कांग्रेस में उनके समर्थकों में इससे कोई परेशानी नहीं दिखाई देती।

कार्टेल के खिलाफ जंग और मेक्सिको की अग्निपरीक्षा

सनत जैन

मेक्सिको में कुख्यात ड्रग सरगना नेमेंसियो ओसेगेरा सर्वांतेस उर्फ 'एल मेंचो' के मारे जाने की खबर के बाद हुई भारी हिंसा से मेक्सिको को अनिश्चितता के दौर में लाकर खड़ा कर दिया है। आम जनता सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करती नजर आई है। नशे के कारोबार में (सीजेएनजी) प्रमुख के रूप में ड्रग लॉर्ड को न केवल मेंक्सिको, बल्कि अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क का केंद्रीय चेहरा माना जाता था। मेक्सिको की सरकार इस कार्रवाई को बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत कर रही है। किंतु ड्रग सरगना के मारे जाने के तुरंत बाद भड़की आगजनी, हाईवे जाम और सुरक्षा कर्मियों पर हमले से यह सवाल उठता है, क्या किसी सरगना के मारे जाने पर जनता का विद्रोह इस रूप में देखने को मिल सकता है? एल मेंचो पर अमेंरिका की सरकार ने बड़ा इनाम घोषित किया था। डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल से ही मेक्सिको पर ड्रग तस्करी के खिलाफ कठोर कार्रवाई का दबाव अमेंरिका की सरकार बनाती रही है। फेंटानिल संकट ने अमेंरिका की आंतरिक राजनीति को झकझोर दिया है, इसका प्रभाव द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ना तय है। मेक्सिको की हिंसा केवल आंतरिक सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, बल्कि इसका असर अमेंरिका सहित अन्य देशों पर भी पड़ना तय है। यह घटना भू-राजनीतिक समीकरणों से भी जुड़ी दिखती है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है, क्या यह मेक्सिको की संप्रभु रणनीति का हिस्सा है, या अमेंरिकी दबाव का परिणाम है। इतिहास बताता है कि कार्टेल के शीर्ष नेता को मार देने से इस समस्या का हल नहीं होता है। इससे ड्रग के कारोबार, राजनीतिक एवं सामाजिक संबंधों में स्थिरता संभव नहीं है। 2016 में जोक्विन एल चापो गुजमान की गिरफ्तारी के बाद भी बड़े पैमाने पर हिंसा हुई थी। आम जनता और सत्ता के बीच संघर्ष बढ़ा था। संगठित अपराध का नेटवर्क समानांतर व्यवस्था की तरह संचालित होता है। एक चेहरा हटता है, तो उसके कई दावेदार उभरते हैं। गैंग में वर्चस्व की लड़ाई आम नागरिकों की सुरक्षा और जीवन यापन के लिए सबसे बड़ा खतरा बनती है। एल मेंचो की मौत के बाद इस तरह की घटनाएं इसी आशंका को पुष्ट कर रही हैं। ड्रग कारोबार और राजनीतिक संरक्षण का मूल मेक्सिको, अमेंरिका एवं कई अन्य देशों तक फैला हुआ है। दशकों से मेक्सिको में फैली गरीबी, बेरोजगारी, राजनीतिक संघर्ष, भ्रष्टाचार और कमजोर तथा भ्रष्ट न्यायिक व्यवस्था से जुड़ता है। मेक्सिको के सीमावर्ती इलाकों में प्रशासनिक पकड़ हमेंशा से कमजोर रही है। नशे के कारोबारी और इससे जुड़े हुए लोगों की समानांतर सत्ता चलती है। नशे के कारोबार में लगे अपराधी तत्व जिस तरह से काम करते हैं, उससे स्थानीय कारोबारियों को वसूली के डर से नियंत्रण और सीमापार तस्करी इनके साधन हैं। ऐसे में सैन्य कार्रवाई समाधान नहीं हो सकती है। मेक्सिको सरकार के लिए यह दोहरी चुनौती है। एक ओर सरकार के ऊपर तत्काल कानून-व्यवस्था बहाल कर नागरिकों में भरोसा कायम करना है, दूसरी ओर दीर्घकालिक सुधारों पर गंभीरता से काम करना होगा।

मेक्सिको में न्यायिक पारदर्शिता, गवाहों की सुरक्षा, नशे की कारोबार में नेटवर्क पर वित्तीय प्रहार और पुलिस सुधार अनिवार्य है। सरकार, पुलिस और प्रशासन के बीच का भ्रष्टाचार रोकना, संस्थागत ढांचे को मजबूत नहीं किया तो यह 'जीत' अस्थायी साबित होगी। इसके साथ ही, इसका असर अमेंरिका में भी पड़ना तय है। अमेंरिका की सुरक्षा एजेंसियों और सरकार को भी आत्ममंथन करने की जरूरत है। जब तक अमेंरिका में नशीली दवाओं की मांग बनी रहेगी, आपूर्ति के नए रास्ते और नए गिरोह समय-समय पर उभरते रहेंगे। नशे का कारोबार केवल मेक्सिको की समस्या नहीं है। यह अंतरराष्ट्रीय समस्या है। इससे निपटने के लिए साझा जिम्मेंदारी जरूरी है। दबाव की नीति के बजाय सहयोग, खुफिया साझेदारी और सामाजिक पुनर्वास कार्यक्रमों पर ध्यान देना होगा। एल मेंचो का अंत प्रतीकात्मक जीत हो सकती है, असली परीक्षा तो अब शुरू होगी। यदि मेक्सिको में सुशासन और पारदर्शिता चाहिए तो भुखमरी और बेरोजगारी को दूर करने के लिए सामाजिक निवेश की ठोस रणनीति बनानी होगी।

वैश्विक स्तरपर होली का त्योहार केवल रंगों काउत्सव नहीं, बल्कि भारतीय सयता की जीवंतता,आध्यात्मिकता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। भारत सदियों से विविध आस्थाओं,प्रथाओं और मान्यताओं का केंद्र रहा है,जहां हर पर्व को शुद्ध श्रद्धा और सांस्कृतिक अनुशासन के साथ मनाया जाता है। यही कारण है कि होली केवल भारत तक सीमित नहीं, बल्कि विश्वभर में बसे भारतीय समुदायों और विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित करता है।2026 में होली का पर्व विशेष चर्चा में है, यौंकि 24 फरवरी से होलाष्टक प्रारंभ हो रहा है, 2 मार्च को होलिका दहन होगा और 3 मार्च को रंगोत्सव मनाया जाएगा।

होलाष्टक से धूलिवंदन तक-चंद्रग्रहण, आस्था, ज्योतिष और व्यवहारिकता के बीच संतुलन

किशन सनमुखदास भावनानीं

होली केवल भारत तक सीमित नहीं,बल्कि विश्वभर में बसे भारतीय समुदायों और विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित करता है।

होलाष्टक की मान्यताएं हमें संयम,अनुशासन और आत्मचिंतन का संदेश देती हैं, जबकि होली का रंगोत्सव हमें प्रेम, क्षमा और नई शुरुआत का अवसर देता है

वैश्विक स्तरपर होली का त्योहार केवल रंगों काउत्सव नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की जीवंतता,आध्यात्मिकता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। भारत सदियों से विविध आस्थाओं,प्रथाओं और मान्यताओं का केंद्र रहा है,जहां हर पर्व को शुद्ध श्रद्धा और सांस्कृतिक अनुशासन के साथ मनाया जाता है। यही कारण है कि होली केवल भारत तक सीमित नहीं, बल्कि विश्वभर में बसे भारतीय समुदायों और विदेशी पर्यटकों को भी आकर्षित करता है।2026 में होली का पर्व विशेष चर्चा में है, क्योंकि 24 फरवरी से होलाष्टक प्रारंभ हो रहा है, 2 मार्च को होलिका दहन होगा और 3 मार्च को रंगोत्सव मनाया जाएगा। साथ ही 3 मार्च को चंद्रग्रहण होने की चर्चा ने लोगों के मन में यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि धूलिवंदन 3 मार्च को होगा या 4 मार्च को? इस लेख में हम धार्मिक मान्यताओं,ज्योतिषीय दृष्टिकोण और व्यवहारिक तथ्यों के आधार पर इस भ्रम को दूर करने का प्रयास करेंगे।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि हम सब जानते हैं कि,पौराणिक आधार पर होली की जड़ें भगत प्रहलाद, होलिका और नरसिम्हा की कथा से जुड़ी हैं। असत्य पर सत्य की विजय और अहंकार के अंत का संदेश देने वाली यह कथा भारतीय मानस में गहराई से रची-बसी है।होलिका दहन उस प्रतीकात्मक क्षण का स्मरण है जब भक्ति और धर्म की रक्षा हुई। इसलिए होली केवल रंगों का खेल नहीं,बल्किआध्यात्मिक पुनर्जागरण का अवसर भी है इस आर्टिकल में चर्चा की गई हर बात मान्यताओं पर आधारित सटीकता से इसका कोई संबंध नहीं वह यहां लिखी हुई बातें मानी जाए यह बिलकुल जरूरी नहीं है।

साथियों बात अगर हम होलाष्टक 2026: अवधि और धार्मिक मान्यता इसको समझने की करें तो,2026 में होलिका दहन 2 मार्च को पड़ रहा है, अतः उससे आठ दिन पूर्व 24 फरवरी से होलाष्टक प्रारंभ होगा और 3 मार्च तक चलेगा। होलाष्टक का अर्थ है होली से पहले के आठ दिन। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इन दिनों में आठ प्रमुख ग्रह उग्र अवस्था में माने जाते हैं,अष्टमी को चंद्रमा, नवमी को सूर्य, दशमी को शनि, एकादशी को शुक्र, द्वादशी को गुरु, त्रयोदशी को बुध,चतुर्दशी को मंगल और पूर्णिमा को राहु। मान्यता है कि इस अवधि में शुभ और मांगलिक कार्य करने से जीवन में बाधाएं,कलह या कष्ट आ सकते हैं।इसलिए विवाह, सगाई, गृह प्रवेश, वाहन क्रय, भूमि पूजन और नए व्यवसाय की शुरुआत से बचने की सलाह दी जाती है।हालांकि यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि ये मान्यताएं ज्योतिषीय परंपराओं पर आधारित हैं,न कि किसी विधिक अनिवार्यता पर।भारत के विभिन्न क्षेत्रों में इन मान्यताओं का पालन अलग- अलग स्तर पर किया जाता है। कुछ समुदाय इसे कठोरता से मानते हैं,जबकि कुछ इसे प्रतीकात्मक मानकर अपनी सामान्य जीवनचर्या पूर्वोतःजारी रखते हैं।

साथियों बात अगर हम चंद्रग्रहण और धूलिवंदन का भ्रम इसको समझने की करें तो,2026 में 3 मार्च को चंद्रग्रहण होने की चर्चा के कारण यह भ्रम फैल रहा है किधूलिवंदन 4 मार्च को मनाया जाना चाहिए। यहां मूल सिद्धांत यह है कि होली का रंगोत्सव पूर्णिमा तिथि के अगले दिन, अर्थात होलिका दहन के बाद मनाया जाता है। यदि 2 मार्च की रात्रि में होलिका दहन हो रहा है और पूर्णिमा तिथि 3 मार्च को विद्यमान है, तो परंपरागत रूप से रंगों की होली 3 मार्च को ही मनाई जाने की संभावना है।चंद्रग्रहण का प्रभाव मुख्यतःतब माना जाता है जब वह भारत में दृश्य हो और उसके समय का संयोग महत्वपूर्ण पूजा-विधि से हो। यदि ग्रहण का समय रंग खेलने के पारंपरिक समय से भिन्न है या वह भारत में दृश्य नहीं है, तो सामान्यतः होली की तिथि नहीं बदलती। इसलिए केवल ग्रहण की उपस्थिति से धूलिवंदन की तिथि स्वतः 4 मार्च नहीं हो जाती ऐसा कुछ लोगों का मानना है।अंतिम निर्णय पंचांग,स्थानीय परंपरा और मंदिरसमितियों की घोषणा पर निर्भर करता है।इसलिए व्यापक रूप से 3 मार्च 2026 को ही रंगोत्सव मनाया जाना संभावित है,जबतक कि अधिकृत पंचांग बिल्कुल ही अन्यथा न कहे।

बल्कि मानसिक और ऊर्जात्मक शुद्धि का प्रतीक है। टूटी-फूटी वस्तुएं, बंद पड़ी घड़ियां, धुंधले शीशे और पुराने कबाड़ को हटाने की सलाह वास्तु शास्त्र में दी जाती है। यह वैज्ञानिक दृष्टि से भी उचित है, क्योंकि अव्यवस्था तनाव बढ़ाती है और स्वच्छता सकारात्मकता को प्रोत्साहित करती है।पूजा स्थल की विशेष सफाई आवश्यक मानी जाती है। खंडित मूर्तियों को सम्मानपूर्वक हटाना और स्वच्छ वातावरण में पूजा करना आस्था की शुद्धता का प्रतीक है। मुख्य द्वार पर वंदनवार लगाना और ईशान कोण को स्वच्छ रखना पारंपरिक विश्वास हैं, जो घर में शुभता और समृद्धि का संदेश देते हैं।

साथियों बात अगर हम हिंदू धर्म के 16 संस्कारों क़ा संक्षिप्त परिचय जानने की करें तो हिंदू जीवन-पद्धति में 16 संस्कारों का उल्लेख है, जो जन्म से मृत्यु तक व्यक्ति के जीवन को पवित्र और अनुशासित बनाते हैं। ये हैं गर्भाधान,पुंसवन,सीमंतोन्नयन,जातकर्म,नामकरण निष्क्रमण, अन्नप्राशन,चूड़ाकर्म (मुंडन), कर्णवेध,विद्यारंभ उपनयन वेदारंभ,केशांत,समावर्तन,विवाह,अंत्येष्टि होलाष्टक के दौरान सामान्यतःविवाह जैसे मांगलिक संस्कार नहीं किए जाते। किंतु अंत्येष्टि संस्कार जीवन की अनिवार्य प्रक्रिया है,इसलिए उसके लिए शांति पूजन आदि करके कर्म संपन्न किए जाते हैं। यह दर्शाता है कि धार्मिक अनुशासन के साथ व्यवहारिक विवेक भी समान रूप से महत्वपूर्ण है।

साथियों बात अगर हम होलाष्टक में क्या करें और क्या न करें इसको समझने की करें तो,होलाष्टक में क्रोध, विवाद और अनावश्यक बहस से बचने की सलाह दी जाती है।घर में शांत वातावरण बनाए रखना सकारात्मक ऊर्जा के लिए आवश्यक माना गया है। विवाह, गृह प्रवेश, नए निर्माण और बड़े निवेश जैसे कार्य टालने की परंपरा है। वहीं दूसरी ओर पूजा-पाठ, मंत्र-जाप, व्रत, दान और आत्मचिंतन को विशेष फलदायी बताया गया है। इस अवधि में विष्णु , हनुमान और नरसिम्हा की आराधना का विधान बताया जाता है महामृत्युंजय मंत्र का जाप मानसिक शांति और आध्यात्मिक बल प्रदान करता है। वास्तु और होली पूर्व सफाईः आध्यात्मिक मनोविज्ञान होली से पूर्व घरों में महा-सफाई की परंपरा केवल स्वच्छताअभियान नहीं,

साथियों बात अगर हम रंगों, गुझिया और मस्ती के इस उत्सव को पौराणिक मान्यताओं (हालांक़ि इसका सटीक प्रमाण नहीं है) के दृष्टिकोण से समझने की करें तो पहले हम सभी के घरों में महा-सफाई का अभियान छिड़ चुका है। लेकिन क्या हम जानते हैं कि सिर्फ धूल -मिट्टी झाड़ देना ही काफी नहीं है? वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के कोनों में छिपी कुछ चीजें आपकी तरक्की और खुशहाली को नजर लगा सकती हैं। अगर हम चाहते हैं कि इस बार रंगों के साथ-साथ हमारे घर में मां लक्ष्मी का भी आगमन हो, तो सफाई के दौरान इन चीजों को तुरंत विदा करने क़ा ऑप्शनल विचार कर सकते हैं(1) टूटी- फूटी चीजेंः तरक्की की दुश्मन- अक्सर हम बाद में ठीक करा लेंगे के चक्कर में टूटे हुए बर्तन, चटक चुके कांच के सामान या टूटी चप्पलें स्टोर रूम में पटक देते हैं। वास्तु के अनुसार, ये चीजें घर में नकारात्मक ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत हैं। इनसे मानसिक तनाव बढ़ता है और घर के सदस्यों के बीच अनबन की स्थिति बनी रहती है। (2) रुकी हुई घड़ियांःथम न जाए वक्त-क्या हमारे घर की किसी दीवार पर कोई ऐसी घड़ी है जो बंद पड़ी है? तो उसे आज ही ठीक कराएं या हटा दें। रुकी हुई घड़ी जीवन में ठहराव और बाधाओं का प्रतीक मानी जाती है। वक्त को आगे बढ़ाना है तो घड़ी का चलते रहना जरूरी है।(3) पूजा घर की सफाईः सबसे अहम कदम-मंदिर घर का सबसे पवित्र कोना होता है। सफाई के दौरान अगर हमको कोई खंडित (टूटी हुई) मूर्ति या फटी हुई धार्मिक तस्वीर दिखे, तो उसे ससम्मान हटा दें। इन्हें घर में रखने से वास्तु दोष लगता है।

होली से पहले इन्हें किसी पवित्र नदी में प्रवाहित करना या किसी पेड़ के नीचे रखना बेहतर होता है।(4) धुंधले और टूटे शीशे-टूटा हुआ आईना न केवल असुरक्षित है, बल्कि यह वास्तु के नजरिए से भी अशुभ है।यह घर में आने वाली सकारात्मक ऊर्जा को परावर्तित करके वापस भेज देता है।

भारत में स्कूली बच्चों की सुरक्षा -शिक्षा से आगे बढ़कर जीवन की रक्षा का राष्ट्रीय और वैश्विक दायित्व

वैश्विक स्तरपर भारत 142 करोड़ से अधिक आबादी वाला विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र है। इतनी विशाल जनसंख्या में करोड़ों बच्चे प्रतिदिन स्कूलों में शिक्षा ग्रहण करने जाते हैं। स्कूल केवल ज्ञान का केंद्र नहीं, बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण, सामाजिकविकास और भविष्य की नींव का आधार होते हैं। ऐसे में स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। हाल के वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों में हुई घटनाएँ चाहे वह छत्तीसगढ़ के धमतरी जैसी दर्दनाक घटना हो या अन्य राज्यों में स्कूल परिसरों में हुई दुर्घटनाएँ,यह स्पष्ट संकेत देती हैं कि अब केवल शिक्षा की गुणवत्ता ही नहीं, बल्कि सुरक्षा की समग्र व्यवस्था पर भी अंतरराष्ट्रीय स्तर के मानक लागू करने की आवश्यकता है।

किशन सनमुखदास भावनानीं

शिक्षा विभाग नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करे, कलेक्टर औचक निरीक्षण करें,मुख्यमंत्री स्वयं समीक्षा करें व समाज सक्रिय भागीदारी निभाए वैश्विक स्तरपर भारत 142 करोड़ से अधिक आबादी वाला विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र है। इतनी विशाल जनसंख्या में करोड़ों बच्चे प्रतिदिन स्कूलों में शिक्षा ग्रहण करने जाते हैं। स्कूल केवल ज्ञान का केंद्र नहीं, बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण, सामाजिकविकास और भविष्य की नींव का आधार होते हैं। ऐसे में स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। हाल के वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों में हुई घटनाएँ चाहे वह छत्तीसगढ़ के धमतरी जैसी दर्दनाक घटना हो या अन्य राज्यों में स्कूल परिसरों में हुई दुर्घटनाएँ,यह स्पष्ट संकेत देती हैं कि अब केवल शिक्षा की गुणवत्ता ही नहीं, बल्कि सुरक्षा की समग्र व्यवस्था पर भी अंतरराष्ट्रीय स्तर के मानक लागू करने की आवश्यकता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि किसी भी सभ्य समाज की प्रगति का वास्तविक मापदंड उसके विद्यालयों की स्थिति और वहाँ पढ़ने वाले बच्चों की सुरक्षा से निर्धारित होता है। विद्यालय केवल ज्ञान अर्जन का केंद्र नहीं, बल्कि भविष्य निर्माण की प्रयोगशाला होते हैं। यदि यह प्रयोगशाला ही असुरक्षित हो जाए तो राष्ट्र की नींव कमजोर हो जाती है। हाल के वर्षों में भारत के विभिन्न राज्यों से सामने आई घटनाएँ चाहे वह छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले की चौंकाने वाली घटना हो या अनेक राज्यों से जर्जर स्कूल भवनों के गिरने की खबरें,यह स्पष्ट संकेत देती हैं कि अब समय आ गया है जब स्कूल सुरक्षा को शिक्षा नीति के पूरक तत्व के रूप में नहीं, बल्कि उसके मूल स्तंभ के रूप में स्थापित किया जाए। शिक्षा की गुणवत्ता, डिजिटल नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की चर्चा तब तक अधूरी है जब तक बच्चों का जीवन और मानसिक स्वास्थ्य सुरक्षित न हो।

साथियों बात अगर हम छत्तीसगढ़ के एक स्कूल में हाल में हुई घटना को समझने की करें तो,धमतरी जिले के कुरूद स्थित एक सरकारी स्कूल में 7वीं-8वीं कक्षा के 35 बच्चों द्वारा ब्लेड से अपनी कलाई काटने की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया। यह घटना केवल अनुशासन या प्रशासनिक लापरवाही का मामला नहीं है,बल्कि यह बच्चों की मनोवैज्ञानिक स्थिति,स्कूल वातावरण और सामाजिक संवाद की कमी की गंभीर चेतावनी है। जब काउंसलिंग में यह सामने आया कि बच्चों ने देखा-देखी में यह कदम उठाया, तो यह स्पष्ट हो गया कि किशोरावस्था में सामूहिक प्रभाव और आकर्षण की प्रवृत्ति कितनी तीव्र होती है। यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हमारे स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य पर पर्याप्त ध्यान दिया जा रहा है? क्या बच्चों को अपनी भावनाएँ व्यक्त करने का सुरक्षित मंच मिल रहा है?क्या शिक्षक औरअभिभावक उनके व्यवहार में होने वाले सूक्ष्म बदलावों को समझ पा रहे हैं? यदि इन प्रश्नों का उत्तर नकारात्मक है,तो हमें अपनी शिक्षा व्यवस्था की प्राथमिकताओं को पुनर्संतुलित करना होगा।

साथियों बात अगर हम 2 दिन पूर्व हाईकोर्ट द्वारा चिंता व्यक्त करने की करें तो,राजस्थान में सरकारी स्कूलों की जर्जर इमारतों पर चिंता व्यक्त करते हुए राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर बेंच ने राज्य सरकार के बजट को ऊंट के मुंह में जीरा बताया। यह टिप्पणी केवल एक राज्य तक सीमित समस्या नहीं दर्शाती, बल्कि देश के अनेक हिस्सों में स्कूल भवनों की दयनीय स्थिति का प्रतीक है। जब भवनों की छतें कमजोर हों, दीवारों में दरारें हों, विद्युत तार खुले हों और शौचालय अनुपयोगी हों, तब बच्चों की सुरक्षा स्वतः खतरे में पड़ जाती है। बजट आवंटन और वास्तविक आवश्यकता के बीच की खाई को पाटना सरकारों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर मरम्मत, पुनर्निर्माण और बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था करना केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि सटीक जीवन रक्षा का कार्य है। साथियों बात अगर हम इस मुद्दे को वैश्विक परिप्रेक्ष्य में समझने की करें तो, विकसित देशों में भी स्कूल सुरक्षा एक गंभीर चुनौती बनी हुई है। संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे तकनीकी और आर्थिक रूप से समृद्ध राष्ट्र में भी विद्यालयों में गोलीबारी की घटनाएँ समय-समय पर होती रही हैं। 2022 में टेक्सास के उवाल्डे स्थित रोब्ब एलिमेंटरी स्कूल में हुई गोलीबारी ने पूरी दुनियाँ को स्तब्ध कर दिया था। इससे पहले 1999 में कोलोराडो के कॉलम्बीने हाई स्कूल में हुई घटना ने स्कूल सुरक्षा पर वैश्विक बहस को जन्म दिया। इन घटनाओं ने यह सिद्ध कर दिया कि आर्थिक समृद्धि और तकनीकी उन्नति अपने आप में सुरक्षा की गारंटी नहीं हैं। सुरक्षा एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें जोखिम मूल्यांकन, निगरानी, प्रशिक्षण और सामुदायिक सहयोग की निरंतर आवश्यकता होती है। भारत को इन अनुभवों से सीख लेकर अपने विद्यालयों के लिए बहु-स्तरीय अति महत्वपूर्ण सुरक्षा मॉडल विकसित करना चाहिए।

साथियों बात अगर हम भारत में शिक्षा का संचालन मुख्यतः राज्यों के अधीन है, इसको समझने की करें तो राष्ट्रीय स्तरपर नीति निर्माण में मिनिस्ट्री ऑफ़ एजुकेशन की केंद्रीय भूमिका है। नेशनल एजुकेशन पालिसी 2020 ने शिक्षा की गुणवत्ता,समावेशिता और नवाचार पर जोर दिया है, परंतु सुरक्षा को एक स्वतंत्र और अनिवार्य स्तंभ के रूपमें संस्थागत रूपसे स्थापित करने कीआवश्यकता अभी शेष है। स्कूल सुरक्षा नीति को स्पष्ट दिशा-निर्देशों के साथ लागू किया जाना चाहिए, जिसमें भवन सुरक्षा, अग्नि सुरक्षा, विद्युत मानक, स्वच्छ पेयजल, स्वच्छ शौचालय, सीसीटीवी निगरानी, प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मी और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली शामिल हों। प्रत्येक विद्यालय के लिए अनिवार्य स्कूल सेफ्टी ऑडिट प्रणाली लागू की जानी चाहिए,जिसका वार्षिक नवीनीकरण हो और जिसकी रिपोर्ट सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हो।जिला स्तर पर कलेक्टर या जिला मजिस्ट्रेट प्रशासनिक व्यवस्था के प्रमुख होते हैं। यदि वे नियमित औचक निरीक्षण करें तो जमीनी स्तर की सच्चाई सामने आ सकती है। औचक निरीक्षण केवल औपचारिकता नहीं होना चाहिए, बल्कि उसमें सुरक्षा उपकरणों की कार्यशीलता, अग्निशामक यंत्रों की सर्विसिंग, सीसीटीवी कैमरों की स्थिति, आपातकालीन निकास मार्गों की उपलब्धता और खेल मैदानों की सुरक्षा का वास्तविक मूल्यांकन शामिल होना चाहिए। कई बार स्कूलों में उपकरण तो लगे होते हैं, परंतु वे निष्क्रिय पड़े रहते हैं। ऐसी स्थिति में दुर्घटना होने पर केवल कागजी प्रमाण किसी बच्चे का जीवन नहीं बचा सकते। इसलिए निरीक्षण प्रणाली को परिणामोन्मुख और जवाबदेह बनाना अत्यंत ही आवश्यक है। साथियों बात अगर हम ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में स्थित विद्यालयों की स्थिति को समझने की करें तो यह विशेष चिंता का विषय है।कई स्कूल अस्थायी भवनों में संचालित होते हैं या दशकों पुराने ढाँचों में चल रहे हैं। वर्षा, भूकंप या अन्य प्राकृतिक आपदाओं के दौरान ये भवन अतिरिक्त जोखिम उत्पन्न करते हैं।राज्य सरकारों को वार्षिक स्ट्रक्चरल ऑडिट अनिवार्य करना चाहिए और जर्जर भवनों को तुरंत उपयोग से बाहर कर वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए। निजी विद्यालयों के लिए भी समान मानक लागू होने चाहिए। यदि कोई निजी संस्था सुरक्षा मानकों की अनदेखी करती है तो उसके खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई जुर्माना, मान्यता निलंबन या निरस्तीकरण की व्यवस्था होनी चाहिए।

वनभूमि पर कब्जा: प्लांटेशन उजाड़कर 20 हेक्टेयर में किया अतिक्रमण, कार्रवाई के दौरान महिलाओं को कर देतें हैं आगे

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। बानापुरा रेंज की झाड़वीरा बीट में वन विभाग की जमीन पर बड़े पैमाने पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, अतिक्रमणकारियों ने प्लांटेशन की जमीन को उजाड़कर करीब 20 हेक्टेयर क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है। अब वहां टपरिया (अस्थायी झोपड़ियां) बनाई जा रही हैं और जमीन को खेत में बदलने की तैयारी की जा रही है। वन विभाग की बेशकीमती जमीन को बचाने और कब्जा रोकने में अधिकारी कमजोर पड़ते नजर आ रहे हैं। रेंजर स्तर के अधिकारी खुद स्वीकार कर रहे हैं कि जब भी कब्जा हटाने की कार्रवाई की जाती है, अतिक्रमणकारी पुरुष महिलाओं को आगे कर देते हैं। इस कारण मौके पर सख्त कार्रवाई करना मुश्किल हो जाता है। तीन साल से जारी है कब्जे का सिलसिला बताया जा रहा है कि यह कब्जा पिछले तीन साल से लगातार जारी है। वन विभाग ने इस दौरान 80 से अधिक पीओआर – प्रथम प्रारंभिक रिपोर्ट) दर्ज किए हैं लेकिन इसके बावजूद प्लांटेशन की जमीन को पूरी तरह अतिक्रमण से मुक्त नहीं कराया जा सका है बानापुरा रेंज की झाड़वीरा बीट के कक्ष क्रमांक पीएफ 159 में करीब चार साल पहले पौधारोपण किया गया था। इस प्लांटेशन को ग्राम राजलदाना और पतलाई के कुछ निवासियों द्वारा उजाड़ दिया गया और जमीन पर कब्जा कर लिया गया। वर्तमान में अतिक्रमणकारी अलग-अलग स्थानों पर टपरिया बना रहे हैं, ताकि बाद में वहां खेती की जा सके। बानापुरा रेंजर ज्ञान सिंह पवार ने बताया कि कक्ष क्रमांक 159 में किए गए प्लांटेशन को उजाड़कर अतिक्रमण किया जा रहा है। वर्ष 2023 में विभाग ने कार्रवाई करते हुए 69 पीओआर जारी किए थे और उस समय कब्जा रोक दिया गया था इसके बाद लगभग दो साल तक स्थिति नियंत्रित रही। हालांकि पिछले एक महीने से फिर अतिक्रमण तेज हो गया है। डेढ़ महीने पहले 10 पीओआर दर्ज किए गए और एक नया प्रकरण दर्ज किया गया है।

कलेक्टर जनदर्शन में आज 16 आवेदन हुए प्राप्त सभी आवेदनों को समय.सीमा में निराकरण के दिए गए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर डी राहुल वेंकट ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनदर्शन में जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी छोटी.बड़ी समस्याओं को सीधे कलेक्टर के समक्ष रखा। कलेक्टर ने जनदर्शन में प्राप्त सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ समय.सीमा में त्वरितए गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आज आयोजित जनदर्शन में कुल 16 आवेदन प्राप्त हुए। आज के जनदर्शन में समस्त वार्डवासी मनेन्द्रगढ़ द्वारा भूमि से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किया गया। इसी तरह सरपंच खैरबना द्वारा विद्युतीकरण से संबंधित विषयए सरपंच सिरौली द्वारा कार्यालय की अनुमति के बिना लगाए जा रहे डामर प्लांट पर रोक लगाने के संबंध में आवेदन दिया गया। डी सांगा निवासी द्वारा रेलवे कॉलोनी में स्थित गुप्ता किराना दुकान पर बैठाकर सिगरेट पिलाने एवं नशाखोरी कराए जाने की शिकायत की गई। अरविंद पटेल निवासी सलवा द्वारा सरपंच हीरा सिंह पर अपने पद का दुरुपयोग करते हुए स्वयं एवं अपने भाई को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की शिकायत प्रस्तुत की गई। शिवकुमार यादव द्वारा आवास तक आवागमन के लिए अस्थायी मार्ग खुलवाने मोतीलाल निवासी नागपुर द्वारा आवास राशि किसी अन्य व्यक्ति के खाते में चले जानेए जलन सिंह निवासी झगराखंड द्वारा भूमि संबंधी विषयए मानमती निवासी जुईली द्वारा नामांतरण करानेए समस्त ग्रामवासी निवासी कुदरा द्वारा नवीन स्वीकृत भवन के निर्माण स्थल पर आपत्तिए दीपक चौहथा निवासी खोगापानी द्वारा क्षतिग्रस्त प्रतिमा की मरम्मत अथवा पुनर्स्थापना धीरेसाय सिंह निवासी घुटरा द्वारा भूमि से संबंधित विषय सुनीता गुप्ता निवासी चिरमिरी द्वारा भूमि संबंधी आवेदन सुनीता निवासी मनेन्द्रगढ़ द्वारा भूमि संबंधी प्रकरण गोयल राइस मिल निवासी कठोतिया द्वारा समिति में डीओ के विरुद्ध धान उपलब्ध न होने तथा प्रबंधक मालवीय नगर महिला विकास बहुउद्देशीय सेवा समिति द्वारा शासकीय उचित मूल्य दुकान हल्दीबाड़ी आईडी क्रमांक 531001024 के वित्तीय वर्ष 2022.23 की मार्जिन मनी एवं वित्तीय पोषण प्राप्त न होने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किए गए। कलेक्टर डी राहुल वेंकट ने जनदर्शन में प्राप्त सभी आवेदनों को पूरी संवेदनशीलता एवं गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्यवाही कर शीघ्र एवं समय.सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए।

हर घर नल से जल: डोंगरीटोला के जीवन की नई शुरूआत जल जीवन मिशन बना वरदान पानी की चिंता से मिली आजादी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विकासखंड भरतपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत डोंगरीटोला में आज बदलाव की एक नई कहानी लिखी जा रही है यह बदलाव केवल पानी का नहीं, बल्कि जीवन की दिशा और दशा बदलने का है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के माध्यम से संचालित जल जीवन मिशन ने यहां के ग्रामीणों के जीवन में वह सुखद परिवर्तन लाया है, जिसकी कभी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी। इस परिवर्तन के केंद्र में हैं ग्राम डोंगरीटोला के निवासी बालमुकुंद, जिनका जीवन अब पहले जैसा नहीं रहा। बालमुकुंद बताते हैं कि कुछ समय पहले तक उनके परिवार की दिनचर्या का बड़ा हिस्सा पानी लाने में ही बीत जाता था। स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल के लिए उन्हें रोज लंबी दूरी तय कर कुएं और हैंडपंप से पानी लाना पड़ता था। गर्मी के दिनों में स्थिति और भी कठिन हो जाती थी, जब जलस्तर नीचे चला जाता था और पानी के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता था। इस प्रक्रिया में समय और श्रम दोनों की भारी खपत होती थी, जिससे परिवार के अन्य कार्य प्रभावित होते थे। कई बार दूषित पानी के कारण बच्चों और बुजुर्गों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना भी करना पड़ता था। लेकिन 'हर घर नल से जल' के संकल्प के साथ जब जल जीवन मिशन गांव में पहुंचा, तो मानो उम्मीद की नई किरण जाग उठी। पाइपलाइन बिछी, घर-घर नल कनेक्शन दिए गए और अब बालमुकुंद के घर पर ही शुद्ध पेयजल उपलब्ध है। सुबह उठते ही स्वच्छ पानी नल से प्राप्त होना उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। अब पानी के लिए भटकना नहीं पड़ता, समय और श्रम की बचत हो रही है, बच्चों की पढ़ाई पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है, जलजनित बीमारियों में उल्लेखनीय कमी आई है। बालमुकुंद गर्व और संतोष के साथ कहते हैं- 'यह योजना केवल सुविधा नहीं, बल्कि हमारे गांव के उज्ज्वल भविष्य की नींव है।' उन्होंने इस ऐतिहासिक पहल के लिए माननीय प्रधानमंत्री एवं माननीय मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की यह सोच वास्तव में ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है।

अवैध रेत भंडारण पर कार्रवाई :तीन जगहों से रेत से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। कलेक्टर के निर्देश पर खनिज विभाग ने शहर में अवैध रेत भंडारण के खिलाफ कार्रवाई की है। खनिज अधिकारी राम सिंह उईके के मार्गदर्शन में खनिज निरीक्षक सोनू श्रीवास ने खनिज दल के साथ विभिन्न स्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान जिन भंडारणकर्ताओं के पास वैध भंडारण अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) संबंधी दस्तावेज नहीं पाए गए, उनके विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर रेत और वाहन जब्त किए गए इस दौरान तीन जगह से ट्रैक्टर-ट्राली पकड़ाए। कार्रवाई के तहत, फतेहपुर चौराहे के पास एक भंडारण स्थल पर जितेंद्र राजावत के खिलाफ अवैध रेत भंडारण का मामला दर्ज किया गया मौके पर रॉयल्टी पारपत्र प्रस्तुत किए गए, लेकिन भंडारण अनुज्ञप्ति स्वीकृत नहीं होने के कारण विभाग ने एक ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर ली गिर्राज पेट्रोल पंप के पास स्थित एक अन्य भंडारण स्थल के निरीक्षण में संचालक सीताराम कुशवाह (ग्राम सीताराम) और उनके पार्टनर विजय सिंह राणा के विरुद्ध भी कार्रवाई की गई इन दोनों के पास न तो रॉयल्टी पारपत्र थे और न ही भंडारण अनुज्ञप्ति स्वीकृत पाई गई।

बंदूक के दम पर युवती को नचाया..युवक राइफल से हवाई फायर करता रहा, इशारे पर नाचती रही लड़की

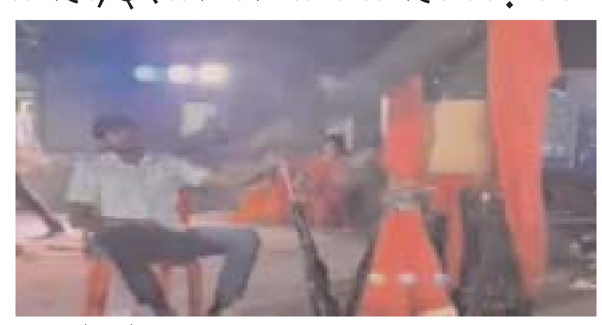

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। बंदूक के दम पर एक युवती से डांस करवाने का वीडियो सामने आया है। युवक कुर्सी पर बैठकर राइफल से हवाई फायर करते हुए युवती से नाचने को कह रहा है सामने आया 47 सेकेंड का ये वीडियो बेहट थाना क्षेत्र के रहवाली इलाके का बताया जा रहा है बेहट थाने की पुलिस रात में ही रहवाली पहुंची, जहां से पता चला कि युवक हस्तिनापुर का है। पुलिस वहां पहुंचकर जानकारी जुटा रही है बॉलीवुड मूवी में बाहुबली अंदाज में दिखाए जाने वाले किरदार की स्टाइल में युवक .315 बोर की राइफल लेकर कुर्सी पर बैठा है उसके इशारे पर सामने एक युवती डांस कर रही है इसी दौरान युवक राइफल लोड करता है और रुक-रुककर दो बार फायरिंग करता है गोली चलने के बाद एक नाबालिग बालक मौके पर आता है और खाली खोखा उठाकर वहां से चला जाता है। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक फायरिंग करता दिख रहा युवक हस्तिनापुर क्षेत्र का रहने वाला बताया जा रहा है। वीडियो सामने आने के बाद मध्य प्रदेश पुलिस की बेहट थाना टीम रात में ही रहवाली क्षेत्र पहुंची और मौके की तस्दीक की। फिलहाल पुलिस वायरल वीडियो की सत्यता और घटना की परिस्थितियों की जांच में जुटी हुई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि युवक की पहचान की जा रही है और यह भी जांच की जा रही है कि जिस राइफल से फायरिंग की गई, उसका लाइसेंस वैध है या नहीं। लाइसेंस और हथियार की वैधानिक स्थिति स्पष्ट होने के बाद संबंधित युवक के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी एसडीओपी मनीष यादव ने बताया कि बंदूक के दम पर नचाने पर धमकाने का मामला दर्ज होता है। यदि फरियादी सामने नहीं आता है तो पुलिस स्वत:संज्ञान लेकर एक्शन लेगी। बंदूक लाइसेंसी हुई तो उसे जब्त कर लाइसेंस रद्द कराने की अनुशंसा करेगी और अवैध हुई तो आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी करेगी।

सगी बहनों पर धर्मांतरण, पार्टियों में लड़कियां सप्लाई के आरोप :गुजरात और मुंबई तक भेजी लड़कियां

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। भोपाल में काम देने के बहाने धर्मांतरण, रेप फिर सेक्स रैकेट में धकलने के आरोप में दो सगी बहनों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस पूछताछ में उनकी चौंकाने वाली करतूत सामने आई है। उनका काम अमीर युवकों को लड़कियां सप्लाई करना और धर्मांतरण कराना था वे गुजरात और मुंबई तक लड़कियां भेजती थीं दोनों ने इतना पैसा कमाया कि अब्बास नगर की एक झुग्गी से निकलकर आशिमा मॉल के पास सागर रॉयल विला में आलीशान विला खरीद लिया। अमरीन और आफरीन नाम की ये बहनें लग्जरी लाइफ स्टाइल जीती थीं। मामले का खुलासा तब हुआ, जब रात को भोपाल और छत्तीसगढ़ की रहने वाली दो युवतियां राजधानी के बाग सेवनिया थाने पहुंच गईं दोनों ने थाने में अलग-अलग शिकायत दर्ज कराई। 21 और 32 साल की दोनों लड़कियों की आपसी पहचान इंस्टाग्राम चैट के जरिए हुई थी। पुलिस ने तत्काल एक्शन लिया। को अमरीन, आफरीन और चंदन यादव को गिरफ्तार कर लिया। तीन अन्य आरोपी बिलाल, चानू और यासिर की तलाश की जा रही है अमरीन और आफरीन ने पुलिस को बताया कि वे गरीब घरों की लड़कियों को टारगेट करती थीं। पहले मदद के नाम पर घरेलू काम के लिए रखती थीं फिर हाई प्रोफाइल लाइफ स्टाइल का सपना दिखाकर बड़ी पार्टीज में ले जाती थीं। वहां उन्हें रईसजादों के आगे परोस दिया करती थीं।

शराब और ड्रग्स लेने के लिए दबाव डालती थीं: पीड़िताओं ने बताया है कि चंदन यादव सागर रॉयल विला में अमरीन-आफरीन के साथ रहता है। वह दोनों बहनों के संपर्क में आने के बाद इस्लाम अपना चुका है। अमरीन और आफरीन दोनों पीड़िताओं को गुजरात और मुंबई ले गई थीं। वहां भी उन्होंने अनजान लोगों के साथ संबंध बनाने के लिए मजबूर किया। वे शराब पीने और एमडी ड्रग्स लेने के लिए भी दबाव डालती थीं।

अमरीन के मोबाइल में कई संदिग्ध वॉट्सएप ग्रुप मिले: पुलिस ने अमरीन, आफरीन और चंदन के मोबाइल फोन जब्त कर लिए हैं। इनकी जांच कराई जाएगी। अमरीन के मोबाइल में कई संदिग्ध वॉट्सएप ग्रुप मिले हैं। उसमें कई युवतियों के फोटो भी हैं पुलिस को अमरीन और आफरीन के देह व्यापार गिरोह से जुड़े होने के भी सबूत मिले हैं। उनके गिरोह में चंदन यादव के अलावा बिलाल और यासिर भी काम करते थे। दोनों पीड़िताओं से तीनों युवक कई बार रेप कर चुके। वे किसी को भी वारदात के बारे में बताने पर बदनाम करने की धमकी देते थे।

बिजली, पानी, अतिक्रमण की शिकायत लेकर पहुंचे पीड़ित: रोजगार की भी उठी मांग

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जनसुनवाई में जिले के अलग-अलग तहसीलों और ग्राम पंचायतों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित सुनवाई में बिजली, पानी, अतिक्रमण, रोजगार, शिक्षा, खेल सुविधाएं और धार्मिक स्थल से जुड़े मामलों सहित कई दूसरे मुद्दों पर शिकायतें आईं। जनपद पंचायत कोलारस के वार्ड- 14 के जनपद सदस्य द्वारा ग्राम पंचायत कुम्हरौआ के ग्राम अमरपुर के राछीपुरा मोहल्ला, काली माता मंदिर के पास एवं अमरपुर कॉलोनी में डीपी स्थापना और नए हैंडपंप स्वीकृत करने की मांग की गई। आवेदन में बताया गया कि क्षेत्र में 11 केवी लाइन का खंभा क्षतिग्रस्त है आंधी-तूफान की स्थिति में बड़ा हादसा हो सकता है बिजली की सप्लाई बाधित होने से पानी की समस्या निर्मित हो गई है लोगों को दूर-दूर से पानी लाना पड़ रहा है बलारी माता मंदिर परिसर में करीब 20 साल से प्रसाद और मनिहारी की दुकान लगाने वाले 25-30 दुकानदारों ने वन विभाग के गेट प्रभारी पर मनमानी और भेदभाव का आरोप लगाया दुकानदारों का कहना है कि सप्ताह में केवल सप्तमी के दिन दुकान लगाकर वे परिवार का भरण-पोषण करते हैं।

एनएच-27 पर तेंदुए के शावक की मौत: अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। राष्ट्रीय राजमार्ग 27 (एनएच-27) पर शाम एक अज्ञात वाहन की टक्कर से लगभग तीन माह के तेंदुए के शावक की मौत हो गई। यह घटना खरई-तेंदुआ गांव के बीच तेंदुआ थाना क्षेत्र में हुई वन विभाग को सोशल मीडिया के माध्यम से इस घटना की जानकारी मिली। सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और करीब दो घंटे तक शावक के शव की तलाश करती रही काफी देर तलाशी के बाद वन विभाग को तेंदुए का शव सड़क किनारे झाड़ियों में पड़ा मिला। अधिकारियों ने आशंका जताई है कि वाहन के दोबारा ऊपर चढ़ने से बचाने के लिए राहगीरों ने शव को सड़क से हटाकर झाड़ियों की ओर खींच दिया होगा। कोलारस वन परिक्षेत्र के रेंजर गोपाल जाटव ने बताया कि मृत तेंदुआ लगभग तीन माह का शावक था। शव को कोलारस रेंज कार्यालय में सुरक्षित रखवाया गया है। डॉक्टरों के एक पैनल द्वारा उसका पोस्टमार्टम कराया जाएगा जिससे मौत के सटीक कारणों की पुष्टि हो सके। वन विभाग ने अज्ञात वाहन की पहचान के लिए आसपास के टोल प्लाजा और मार्ग के सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। अधिकारियों का कहना है कि दोषी वाहन चालक के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अपर कलेक्टर सुनेंगी आमजन की समस्याए भरतपुर में 10 व 24 मार्च को होगा जनदर्शन, त्वरित समाधान के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के विकासखंड भरतपुर के नागरिकों को त्वरित एवं प्रभावी प्रशासनिक समाधान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार भरतपुर अनुविभाग में नियमित जनदर्शन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे यह जनदर्शन प्रत्येक माह के दूसरे एवं चौथे मंगलवार को आयोजित किया जाएगा, जिससे आमजन अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के समक्ष रख सकें। इसी क्रम में 10 मार्च 2026 एवं 24 मार्च 2026 को अपर कलेक्टर नम्रता आनंद डोंगरे जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से नागरिकों की शिकायतें एवं समस्याएं सुनेंगी। प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया गया है कि प्राप्त आवेदनों पर त्वरित निराकरण की दिशा में आवश्यक कार्यवाही की जाए, ताकि लोगों को कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और समयबद्ध समाधान मिल सके। जनदर्शन कार्यक्रम निर्धारित तिथियों पर प्रात: 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय, भरतपुर में आयोजित होगा। इस दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं जैसे राजस्व, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन, विद्युत, पेयजल, भूमि विवाद एवं अन्य प्रशासनिक विषयों पर आवेदन स्वीकार किए जाएंगे और संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए जाएंगे। जनदर्शन के पश्चात उसी दिन दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक भरतपुर स्थित राजस्व कार्यालय में अपर कलेक्टर न्यायालय की कार्यवाही भी संपन्न होगी। इससे न्यायिक एवं राजस्व प्रकरणों के शीघ्र निराकरण को गति मिलेगी।

शिवपुरी में अतिक्रमण हटाने गई नगर पालिका टीम पर हमला :महलसराय बस्ती में पथराव, कर्मचारियों से मारपीट

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर के देहात थाना क्षेत्र की महलसराय आदिवासी बस्ती में दोपहर अतिक्रमण हटाने गई नगर पालिका की टीम पर हमला हुआ। कार्रवाई के दौरान बस्ती के कुछ युवकों और महिलाओं ने टीम पर पथराव किया और कर्मचारियों के साथ मारपीट की इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। नगर पालिका के अतिक्रमण प्रभारी अशोक खरे ने बताया कि महलसराय क्षेत्र में हाल ही में एक शासकीय शौचालय का निर्माण किया गया था। उन्हें सूचना मिली थी कि कुछ लोग इस शौचालय को नुकसान पहुंचा रहे हैं। शौचालय की छत को तोड़ने से रोका तो लोगों ने कर्मचारियों पर हमला कर दिया सूचना पर अतिक्रमण प्रभारी खरे अपने पांच कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि कुछ लोग हथौड़े से शौचालय की छत तोड़ रहे थे, जिससे छत का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। जब नगर पालिका टीम ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, तो माहौल तनावपूर्ण हो गया। नगर पालिका कर्मचारियों का आरोप है कि उनके विरोध करने पर बस्ती के कुछ युवक और महिलाएं आक्रोशित हो गए और टीम पर पथराव शुरू कर दिया। स्थिति बिगड़ती देख कर्मचारी मौके से मुख्य सड़क की ओर भागे।

श्री अन्न (मिलेट्स) मेला एवं प्रदर्शनी नवाचार से लाभकारी खेती की ओर कदम श्री अन्न मेला वैज्ञानिक सोच और नवाचार से सशक्त होगा किसान

संतुलित उर्वरक आज की कृषि की जरूरत है - सांसद

मीडिया ऑडीटर, राजगढ़ (निप्र)। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग एवं जिला प्रशासन के सहयोग से सांसद श्री रोडमल नागर एवं कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में 03 दिवसीय जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला सहप्रदर्शनी का आयोजन 23 से 25 फरवरी, 2026 तक कृषि धाम मोहनपुरा डैम पर आयोजित किया जाएगा। साथ ही इस 03 दिवसीय मेले में पहले दिन सोमवार को मिलेट गैलरी, प्राकृतिक खेती तथा विभिन्न कृषि आदान की प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें माइक्रोइरीगेशन (ड्रिप, स्प्रिंकलर) तथा ऑटोमेशन प्रमुख आकर्षण रहें। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा ने कहा कि श्री अन्न (मिलेट्स) मेला सह प्रदर्शनी में उन सभी किसानों को आमंत्रित किया गया है। जिन्होंने नवाचार किए हैं तथा उन्नत तकनीकों का उपयोग कर उत्पादन बढ़ाया है। ऐसे प्रगतिशील किसानों के अनुभवों से राजगढ़ जिले के अन्य किसानों को लाभ मिलेगा और खेती को अधिक लाभदायक बनाया जा सकेगा। कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने कृषि विभाग के सभी कर्मचारियों को ई-अटेंडेंस एवं टूर डायरी समय पर प्रस्तुत करने के लिए बधाई दी। उन्होंने आमजन से अपेक्षा की कि मिलेट्स को अपने दैनिक खान पान में शामिल करें।जिससे पोषण और स्वास्थ्य दोनों में सुधार होगा। मेले में उपस्थित कृषि वैज्ञानिक किसानों की सभी समस्याओं एवं जिज्ञासाओं का समाधान करेंगे, जिससे यह आयोजन वास्तव में उपयोगी सिद्ध होगा। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष एवं जिला विकास एवं निगरानी समिति सदस्य श्री ज्ञान सिंह गुर्जर ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत किसानों को प्रतिवर्ष 6 हजार रूपये की सहायता दी जा रही है। फसल बीमा योजना लागू कर खेत में हुए नुकसान पर भरपूर मुआवजा देने का प्रावधान किया गया है। किसानों को त्वरित लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि इस मेले का पूरा लाभ लें, जैविक खेती को अपनाएं तथा प्राकृतिक व उन्नत पद्धतियों से उत्पादन बढ़ाकर अपनी आय में वृद्धि करें। उन्होंने कहा कि 'ग्रामोदय से राष्ट्रोदय' हमारा लक्ष्य है।

सांसद श्री रोडमल नागर ने कहा कि कृषि जगत में नेतृत्व करने वाले सभी व्यक्तियों का वे अभिनंदन करते हैं, जो आज इस मेले में उपस्थित हुए हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जब तेज बारिश होती है तो खेत में परत जम जाती है और फसल ठीक से फल-फूल नहीं पाती, जबकि रिमझिम बारिश में फसल का नया अंकुरण सहज रूप से हो जाता है। इसी प्रकार कृषि में छोटी-सी त्रुटि या लापरवाही उत्पादन को रोक देती है, जैसे किसी नल में हवा का छोटा बुलबुला पानी का प्रवाह रोक देता है, परंतु उसे ठीक कर देने पर व्यवस्था पुनः सुचारू हो जाती है। उन्होंने कहा कि कई किसानों ने संतरे के बगीचे लगाए, लेकिन अपेक्षित उत्पादन नहीं मिला। ऐसे में इस मेले में उपस्थित कृषि वैज्ञानिक समस्याओं का समाधान करेंगे। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों से अनुरोध किया कि वे खेती को अधिक लाभकारी बनाने हेतु मार्गदर्शन दें। इस कार्यशाला में किसान नई तकनीकों, रोगों के उपचार एवं उन्नत कृषि पद्धतियों की जानकारी प्राप्त करें। सांसद श्री नागर ने कहा कि किसान केवल उत्पादक ही नहीं, बल्कि वैज्ञानिक सोच वाले ज्ञानवान किसान बनें। मेले में दी गई समस्त उपयोगी जानकारी किसानों के व्हाट्सएप समूहों के माध्यम से व्यापक रूप से साझा की जाए, ताकि सभी किसान उन्नत बन सकें। उन्होंने 'एक उपज , एक जिला' के तहत संतरा उत्पादन में विशेषज्ञता हासिल करने का आह्वान किया, जिससे प्रत्येक किसान स्वयं दक्ष बने और अन्य किसानों को भी मार्गदर्शन दे सके। श्री अन्न (मिलेट्स) मेला सह प्रदर्शनी में किसान कल्याण तथा कृषि विभाग, एग्रीटेक/कृषि तकनीक, एबीडीसी (नीम कोटेड यूरिया) , मृदा परीक्षण / मृदा कुंडली, जैविक खेती - घरेलू उत्पाद उन्नति, ए टू जेडएग्री सर्विस, जे फार्म, बीएएसएफ, आईआरसी / एग्री इनपुट (बीज), जेम एरिग्रेशन (ड्रिप/स्प्रिंकलर), सिंजेंटा , एग्रो स्टार, राशी सीड्स , बायर क्रॉप साइंस, एडवांटा , क, आईपीएल, इंदोगल्फ + सल्फर , रवाना + माइक्रो न्यूट्रिएंट, कुर्ले + पंचगव्य, कॉरमंडल बीआईओ, नानकू , स्काईग्रो, पीआई , एडीएमए, इंडोफिल अन्य , एग्री डायरेक्टर क्यूटीएसबैंक , सीसीबी (सहकारी बैंक) सहित कृषि यंत्र / टूल्स आदि के द्वारा स्टॉल लगाए गए।

कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा द्वारा योजनाओं कि की गई गहन समीक्षा

लापरवाही पर जुर्माना और नोटिससमय सीमा बैठक आयोजित

मीडिया ऑडीटर, राजगढ़ (निप्र)। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को समय सीमा बैठक आयोजित की गई। आयोजित समय सीमा बैठक में सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों, सीएम मॉनिटरिंग तथा लंबित न्यायालयीन प्रकरणों एवं विभिन्न विभागों की कार्यप्रगति एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में कलेक्टर डॉ. मिश्रा द्वारा निर्देशित किया गया कि किसी भी विभाग द्वारा मैनुअल आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी प्रक्रियाएं ऑनलाइन माध्यम से ही संपादित की जाएं। साथ ही 'सार्थक' ऐप के माध्यम से उपस्थिति को समय सीमा बैठक का स्थायी एजेंडा बनाया गया है। सभी विभागों को 95 प्रतिशत तक उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की बात कही गई।

कलेक्टर डॉ. मिश्रा द्वारा वन विभाग से संबंधित शिकायतों पर असंतोष व्यक्त करते हुए विभाग की ग्रेडिंग 'डी' आने पर नाराजगी व्यक्त की गई तथा सीसीएफ को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। सीएम हेल्पलाइन में शिकायतों का समय पर निराकरण न करने पर सहकारिता, पीएचई एवं राजस्व विभाग पर 5 हजार रुपये का जुर्माना लगाने के निर्देश दिए गए।

ब्यावरा परियोजना में एक वर्ष से अधिक समय से लंबित शिकायतों पर संतोषजनक जवाब दर्ज न करने के कारण संबंधित सीडीपीओ एवं सुपरवाइजर को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। बैठक में सीएम हेल्पलाइन, 'संकल्प से समाधान' अभियान, समग्र ई-केवाईसी, ब्यावरा परियोजना एवं भू-अर्जन प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की गई। कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने निर्देश दिए कि 'संकल्प से समाधान' अंतर्गत प्राप्त शिकायतों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए। समग्र ई-केवाईसी कार्य को सभी अधिकारी प्राथमिकता से पूर्ण करें।

पेयजल लाइन तोड़कर तालाब भर रहे किसानों पर प्रशासन सख्त

20 गांवों की जलापूर्ति ठप पुलिस की मौजूदगी में कार्रवाई

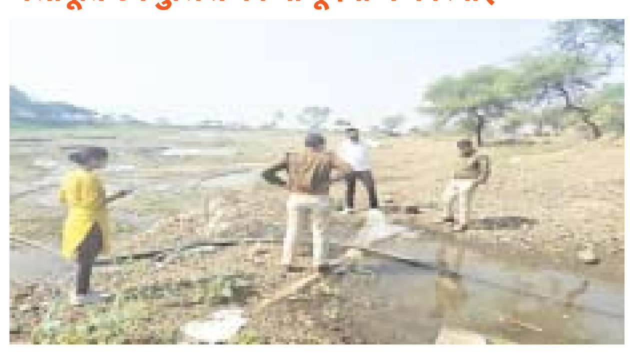

मीडिया ऑडीटर, राजगढ़ (निप्र)। जिले की मोहनपुरा ग्रामीण समूह पेयजल योजना अंतर्गत ग्राम कालीपीठ में पेयजल पाइपलाइन को तोड़कर तालाब भरने का गंभीर मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी अनुसार किसान नाथू लाल/देवीलाल दांगी, विष्णु/रामप्रसाद दांगी एवं शिवनारायण/माताप्रसाद दांगी द्वारा मुख्य पेयजल लाइन को क्षतिग्रस्त कर पानी तालाब में छोड़ा जा रहा था। इस घटना के कारण क्षेत्र की 4 उच्च स्तरीय जल टंकियों से जुड़े लगभग 20 गांवों की पेयजल आपूर्ति बाधित हो गई, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के निर्देशन में मध्यप्रदेश जल निगम राजगढ़ की टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान डीटीएल श्री यौगेंद्र सिंह तोमर, असिस्टेंट इंजीनियर जया शिवहरे तथा पुलिस थाना कालीपीठ का पुलिस बल एवं हल्का पटवारी मौजूद रहे। संयुक्त टीम द्वारा पाइपलाइन को तोड़कर तालाब भरने की गतिविधि को मौके पर ही बंद कराया गया एवं क्षतिग्रस्त लाइन की मरम्मत कर जलापूर्ति व्यवस्था पुनः सुचारू करने के निर्देश दिए गए।

प्रशासन द्वारा संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 152 के अंतर्गत वैधानिक कार्रवाई की गई है। डिप्टी टीम लीडर श्री तोमर द्वारा स्पष्ट किया कि पेयजल योजनाएं आमजन को स्वच्छ पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए संचालित की जाती हैं, ऐसे में पाइपलाइन को नुकसान पहुंचाना गंभीर अपराध है। महाप्रबंधक जल निगम श्री यूके चौधरी ने किसानों एवं आम नागरिकों से अपील की है कि पेयजल योजनाओं की संपत्ति को नुकसान न पहुंचाएं। भविष्य में इस प्रकार की घटनाएं सामने आने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी

इस संबंध में अनुविभागीय (राजस्व) अधिकारी निधि भारद्वाजद्वारा बताया कि जल निगम से पाइपलाइन क्षतिग्रस्त कर पानी का दुरुपयोग किए जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही तत्काल पुलिस थाना कालीपीठ को अवगत कराया गया, जिसके बाद प्रशासन एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर कार्रवाई सुनिश्चित की गई।

रेलवे-सड़क सहित अन्य अधोसंरचनात्मक कार्यों की नियमित समीक्षा होगी

मुख्य सचिव जैन और समन्वयक सचिव भारत सरकार गोविल ने ली बैठक

भूमि अधिग्रहण आदि के मामले शीघ्र निपटाने के दिये निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। मध्यप्रदेश में चल रहे रेलवे, सड़क सहित अन्य अधोसंरचना के बड़े प्रोजेक्ट की प्रतिमाह प्रगति की समीक्षा की जाएगी। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन और भारत सरकार के कैबिनेट सचिवालय में सचिव समन्वयक श्री मनोज कुमार गोविल ने सोमवार को मंत्रालय में संयुक्त रूप से पी.एम मॉनिटरिंग ग्रुप की बैठक में केंद्र के महत्वपूर्ण 11 प्रोजेक्ट की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समय-सीमा अनुसार परियोजनाओं का क्रियान्वयन करें और पी.एम गति शक्ति पोर्टल पर प्रगति रिपोर्ट से नियमित अवगत कराएं। मुख्य सचिव श्री जैन ने जबलपुर में प्रस्तावित 100 बिस्तरीय ई.एस.आई अस्पताल के लिए शीघ्र ही भूमि आवंटन के लिए आवेदन देने के श्रम विभाग को निर्देश दिए और कहा कि आवेदन प्राप्त होने के दो-तीन माह में भूमि आवंटन की प्रक्रिया पूर्ण कर ली जाए। इस दौरान इंदौर-बुधनी नई रेललाइन, रामगंज मंडी से भोपाल नई रेललाइन परियोजना, सतना-रीवा रेल्वेलाइन के दोहरी करण कार्य, इटारसी-नागपुर तीसरी रेल लाइन, रतलाम-महू-खंडवा अकोला गेज परिवर्तन कार्यों की गहन समीक्षा की गयी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे भूमि अधिग्रहण के सभी प्रकरणों के निराकरण और उनमें पारित मुआवजा राशि के वितरण कार्य को समय-सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने विभिन्न विभागों के बीच अनुमतियों आदि के लिए लगने वाले समय को न्यूनतम करने के भी निर्देश दिएं। अब तक भूमि के अधिग्रहण और पारित मुआवजा राशि के वितरण की जानकारी प्राप्त की गई। इस दौरान इंदौर वेस्टर्न सिक्स लाइन बायपास निर्माण कार्य की समीक्षा की गई और धार कलेक्टर तथा उद्योग विभाग को लंबित भू-अधिग्रहण प्रकरणों को समन्वय कर निपटाने के निर्देश दिए गए। इस दौरान मंडलाजिले के चुटका परमाणु ऊर्जा, संयंत्र परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण संबंधी विभिन्न प्रकरणें की भी समीक्षा की गई। बैठक में राजस्व, वन, श्रम, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, लोक निर्माण, एन.एच.आई, एमपीआरडीसी, रेल्वे सहित इंदौर, सीहोर धार, देवास, जबलपुर और सतना जिला प्रशासन के अधिकारी भी शामिल हुए। बैठक में मंडला जिले की चुटका परमाणु ऊर्जा सयंत्र के प्रस्तावित परियोजना की समीक्षा पृथक से की गई।

पीएम सूर्य घर योजना में मिलेगी करोड़ों घरों को मुफ्त बिजली

हरदा, एजेंसी। केंद्र सरकार द्वारा देश के करोड़ों घरों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पीएम सूर्य घर योजना प्रारंभ की गई है। लोगों को इस योजना का लाभ मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा दिया जा रहा है। इस योजना के तहत एक किलोवाट सोलर संयन्त्र लगाने पर 30 हजार रूपये, दो किलोवाट सोलर संयन्त्र लगाने पर 60 हजार रुपए तथा तीन किलोवाट या उससे ऊपर 10 किलोवॉट तक के सोलर संयन्त्र स्थापना पर 78 हजार रुपए की सब्सिडी केन्द्र सरकार द्वारा दी जा रही है।

इसके लिए देशभर के

जनगणना का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण, गंभीरता से प्रशिक्षण प्राप्त करें अधिकारी, कर्मचारी: कलेक्टर

- **नरवाई जलाने पर सख्ती बरतने और किसानों को जागरूक करने के कलेक्टर ने दिए निर्देश**
- **संकल्प से समाधान अभियान के प्रभावी संचालन के कलेक्टर ने दिए निर्देश, अभी तक 64802 प्रकरणों का हुआ निराकरण**
- **एसआईआर प्रक्रिया एवं रूद्राक्ष महोत्सव को सफलतापूर्वक संपन्न कराने पर कलेक्टर ने अधिकारियों-कर्मचारियों को दी बधाई**
- **कलेक्टर की अध्यक्षता में टीएल बैठक आयोजित**

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक के दौरान कलेक्टर श्री बालागुरु के. ने निष्पक्ष, पारदर्शी एवं पूर्ण निष्ठा के साथ मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य को संपन्न कराने पर सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सभी ने टीम भावना के साथ कार्य करते हुए निर्धारित समयसीमा में अपने दायित्वों का सफल निर्वहन किया है। कलेक्टर ने मतदाता सूची के कार्य को लोकतांत्रिक प्रक्रिया की आधारशिला बताया। साथ ही उन्होंने रूद्राक्ष महोत्सव के सफल आयोजन के लिए भी समस्त विभागीय अमले को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आयोजन के दौरान बेहतर समन्वय एवं व्यवस्थाओं के कारण कार्यक्रम सफल रहा। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरु के. ने जनगणना के संबंध में निर्देश देते हुए कहा कि जनगणना का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण एवं जिम्मेदारीपूर्ण दायित्व है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को गंभीरता से प्रशिक्षण प्राप्त करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि प्रशिक्षण में दी गई सभी जानकारियों को भली-भांति समझकर कार्य करें। उन्होंने जनगणना कार्य को पूरी निष्ठा, सटीकता एवं समयबद्ध तरीके से संपादित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री बालागुरु के. ने बैठक में नेशनल हाइवे एवं रेल परियोजनाओं के लिए भू-अर्जन कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यो में विलंब न हो, इसके लिए संबंधित अधिकारी समय सीमा में कार्रवाई सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में संपरिवर्तित करने की प्रक्रिया को गति देने तथा वनाधिकार दावों की नियमित समीक्षा करने के भी निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने गिरदावरी कार्य में सरसों के साथ-साथ उद्यानिकी फसलों को भी शामिल करने के निर्देश दिए, ताकि वास्तविक उत्पादन का सही आकलन हो सके। उन्होंने गेहूं उपार्जन के लिए प्रतिदिन अधिक से अधिक किसानों का पंजीयन कराने तथा प्रगति की सतत मॉनिटरिंग करने को कहा। साथ ही उन्होंने ई-टोकन व्यवस्था के माध्यम से खाद वितरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को निर्धारित समय पर उर्वरक उपलब्ध हो सके और अनियमितताओं पर रोक लगाई जा सके। बैठक में अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह, संयुक्त कलेक्टर सुश्री वंदना राजपूत, श्री जमील खान, श्री रविंद्र परमार, एसडीएम श्री नितिन टाले, श्री तन्मय वर्मा, श्रीमती स्वाति मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर श्री प्रेम सिंह गौंड़ सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

नरवाई जलाने पर सख्ती बरतने और किसानों को जागरूक करने के निर्देश : बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरु के. ने जिले में नरवाई जलाने की घटनाओं पर सख्ती से रोक लगानें के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि नरवाई जलाने से पर्यावरण प्रदूषण बढ़ता है, भूमि की उर्वरता प्रभावित होती है तथा आमजन के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। कलेक्टर ने राजस्व, कृषि एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों को संयुक्त रूप से निगरानी रखने तथा ऐसे मामलों में तत्काल दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को जागरूक करना भी आवश्यक है। कृषि एवं संबंधित विभागों द्वारा पंचायतों में बैठकों एवं प्रचार-प्रसार के माध्यम से नरवाई प्रबंधन के वैकल्पिक उपायों की जानकारी दी जाए, ताकि किसान पर्यावरण संरक्षण में सहभागी बन सकें। संकल्प से समाधान अभियान के प्रभावी संचालन के निर्देश, अभी तक 64802 प्रकरणों का निराकरण ।

बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरु के. ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत अधिक से अधिक हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाये। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचाना है, इसलिए अभियान को परिणाममुखी बनाया जाए।

खंड स्तरीय सीनियर बालक छात्रावास में विद्यार्थियों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता द्वारा जिले में संचालित सभी छात्रावासी विद्यार्थियों के लिए हर क्षेत्र में विशेष पहल कु जा रही है उनके निर्देशानुसार विद्यार्थियों के स्वास्थ्य संरक्षण एवं नियमित निगरानी के दायित्वों का विशेष तौर पर मानीटरिंग की जा रही है। छात्रावासी विद्यार्थियों के स्वास्थ्य परीक्षण उद्देश्य से खंड स्तरीय सीनियर बालक छात्रावास नटेरन में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्रावास में निवासरत सभी विद्यार्थियों का चिकित्सकीय दल द्वारा विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा विद्यार्थियों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए उनकी ऊँचाई, वजन, हीमोग्लोबिन, आँख, त्वचा एवं अन्य सामान्य बीमारियों की जांच की गई। परीक्षण के दौरान कुछ विद्यार्थियों में सामान्य स्वास्थ्य समस्याएं पाई गई, जिन्हें आवश्यक परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया गया। साथ ही गंभीर समस्या वाले विद्यार्थियों को आगे की जांच हेतु संबंधित स्वास्थ्य केंद्र में रेफर करने की सलाह दी गई। इस अवसर पर चिकित्सकों ने विद्यार्थियों को स्वच्छता, संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या एवं मौसमी बीमारियों से बचाव के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने छात्रों को व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने, नियमित हाथ धोने, साफ पानी पीने तथा पौष्टिक भोजन लेने के लिए प्रेरित किया। छात्रावास अधीक्षक ने बताया कि विद्यार्थियों के बेहतर स्वास्थ्य एवं शैक्षणिक विकास के लिए समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाता है, जिससे किसी भी बीमारी का प्रारंभिक स्तर पर ही उपचार संभव हो सके। इस स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम से विद्यार्थियों एवं छात्रावास प्रबंधन ने संतोष व्यक्त किया तथा इसे विद्यार्थियों के हित में उपयोगी पहल बताया।

आगामी नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण के लिए बैठक आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष श्री प्रकाश चंद्र आर्य के निर्देशानुसार आगामी 14 मार्च 2026 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के सम्बंध में सीहोर अभिभाषक संघ के सभाकक्ष में न्यायाधीशगण, अधिवक्ताओं और लीगल एंड डिफेंस काउंसिल की बैठक एवं जागरूकता शिविर का आयोजित किया गया। बैठक में प्रधान जिला न्यायाधीश ने आगामी नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण का आह्वान किया और प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि नेशनल लोक अदालत में त्वरित निराकरण से पक्षकारों का विश्वास बढ़ता है। सभी को लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों के निराकरण का विकल्प अपनाना चाहिए और पक्षकारों को लाभांवित करना चाहिए।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्रीमती स्वप्नश्री सिंह ने नेशनल लोक अदालत के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुये अधिक से अधिक पक्षकारों तक इसका लाभ पहुंचाने की अपील की। इसके साथ ही उन्होंने नेशनल लोक अदालत में विद्युत प्रकरणों एवं जलकर, सम्पत्तिकर के प्रकरणों में घोषित छूट के बारे में जानकारी देते हुय अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील भी की। बैठक में प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय श्री वैभव मंडलोई, विशेष न्यायाधीश श्री हेमंत जोशी, द्वितीय जिला न्यायाधीश श्री एमके वर्मा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती विनीता गुप्ता, न्यायाधीश श्री दीपेन्द्र मालू, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष श्री अनिल पारे, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जीशान खान, पैनल एवं अन्य अधिवक्ता गण उपस्थित थे।

उज्जैन जिला अस्पताल व शवदाह गृह के रिकॉर्ड से खुलासा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मप्र में दिव्यांग-अनाथ बच्चों और बुजुर्गों की देखरेख के नाम पर चल रहे आश्रमों में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। करीब एक साल पहले 10 बच्चों की मौत के बाद इंदौर के युगपुरुष आश्रम को बंद कर दिया गया था। बेहतर देखभाल का हवाला देकर यहां के 86 बच्चों को उज्जैन के सेवाधाम आश्रम में शिफ्ट कर दिया गया था। चौंकाने वाली बात ये है कि इन 86 बच्चों में से 17 बच्चों की जान जा चुकी है। यही नहीं, सबकी मौत का कारण भी एक ही बताया गया- 'सांस लेने में तकलीफ।' यह खुलासा उज्जैन जिला अस्पताल और विद्युत शवदाह गृह के रिकॉर्ड की पड़ताल से हुआ है। इससे मप्र के ऐसे आश्रमों में बच्चों की देखभाल, इलाज और मॉनिटरिंग पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। गौरतलब है कि 25 दिसंबर 2024 को राज्य सरकार के निर्देश पर इंदौर के युगपुरुष आश्रम को बंद किया गया था। इसकी वजह थी कि जून-जुलाई 2024 में आश्रम में हैजे से 10 बच्चों की मौत हो गई थी। सरकार की जांच में सामने आया था कि आश्रम ने सिर्फ 5 मौतों की सूचना दी, जबकि 5 बच्चों के शव बिना पोस्टमार्टम परिजनों को सौंप दिए गए थे। युगपुरुष आश्रम बंद होने के बाद वहां रह रहे 86 विशेष बच्चों (34 लड़के और 52 लड़कियां) को उज्जैन भेजा गया। इनकी उम्र 5 से 23 वर्ष के बीच थी। शिफ्टिंग के एक माह के भीतर ही यानी 23 जनवरी 2025 से मौतों का सिलसिला शुरू हो गया। उज्जैन के इलेक्ट्रिक शवदाह गृह के रिकॉर्ड में दर्ज नामों से पुष्टि होती है कि ट्रांसफर किए गए 86 बच्चों में से 17 की मृत्यु हो चुकी है। सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद इन बच्चों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती किया गया था।

नई शादी के तुरंत बाद दुखी हुए शिखर धवन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन ने 21 फरवरी को अपनी दूसरी शादी रचाई। पिछले साल उन्होंने आयरिश महिला सोफी शाइन को डेट करना शुरू किया था और अब दोनों ने अपने रिश्ते को शादी में बदल लिया है। शादी के तुरंत बाद सोशल मीडिया पर उनके बारे में कई अफवाहें और झूठे...

भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन ने 21 फरवरी को अपनी दूसरी शादी रचाई। पिछले साल उन्होंने आयरिश महिला सोफी शाइन को डेट करना शुरू किया था और अब दोनों ने अपने रिश्ते को शादी में बदल लिया है। शादी के तुरंत बाद सोशल मीडिया पर उनके बारे में कई अफवाहें और झूठे पोस्ट वायरल होने लगे, जिन पर धवन ने खुद आकर अपनी सफाई दी और सच्चाई साझा की।

क्या था वो फेक दावा जिसने बढ़ाई धवन की मुश्किल?: इंटरनेट पर एक पोस्ट तेजी से वायरल हो रही थी, जिसमें दावा किया गया कि शिखर की पूर्व पत्नी आयशा ने उन्हें चुनौती दी थी कि वे कभी दूसरी शादी नहीं कर पाएंगे। पोस्ट में यह भी मसाला लगाया गया कि

शिखर ने सोफी से शादी करके अपनी पूर्व पत्नी को मुंहतोड़ जवाब दिया है। यह खबर जब आग की तरह फैली, जिससे शिखर काफी आहत हुए। उन्होंने साफ कर दिया है कि ऐसी कोई भी बातचीत उनके और आयशा के बीच नहीं हुई थी और जो कुछ भी उनके नाम से चलाया जा रहा है, वह पूरी तरह निराधार है।

शिखर धवन का बयान: मैंने सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट देखे हैं, जो मेरे निजी जीवन के बारे में गलत और निराशाजनक बातें बता रहे हैं। मैं कभी भी अपने अतीत को लेकर बोझ नहीं उठाता, चाहे वह पिच पर हो या उससे बाहर।

मैं सकारात्मकता में विश्वास करता हूं और अपने अतीत का सम्मान करता हूं। यह मेरे जीवन का नया अध्याय है, और मैं अपने फैंस, दोस्तों, परिवार, शुभचिंतकों और मीडिया से मिली प्यार और आशीर्वाद के लिए बेहद आभारी हूं। मैं लोगों से दृढ़ता से अनुरोध करता हूं कि मेरे नाम का उपयोग क्लिक-बेट,असंवेदनशील और झूठे बयानों के लिए न करें। आइए, प्यार और सकारात्मकता फैलाएं।

शोएब अतर ने टीम इंडिया से पूछा सवाल

‘120 की र तार वाले बॉलर से विरोधी टीम को कैसे डराओगे’

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को सुपर 8 के पहले ही मुकाबले में साउथ अफ्रीका के हाथों 76 रन से हार मिली और इस हार के बाद टीम इंडिया की कई कमियां एक साथ सामने आ गई। इस हार के बाद डिफेंडिंग चैंपियन को ऐसी मुश्किल स्थिति में डाल दिया है जहां जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ बाकी बचे मैचों में जीत भी सेमीफाइनल में जगह पक्की करने के लिए काफी नहीं होगी। अहमदाबाद में साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत बल्ले और गेंद दोनों से लड़खड़ा गया। बीच के ओवर्स में भारतीय गेंदबाज साउथ अफ्रीका के बल्लेबाजों को रोकने में सफल नहीं हो पाए और स्कोर 180 के पार चला गया। भारत को जीत के लिए 188 का लक्ष्य मिला था, लेकिन टीम इंडिया 111 रन पर ही सिमट गई।

भारतीय गेंदबाजों में थी आइडिया की कम– पाकिस्तान के पूर्व पेसर शोएब अख्तर ने भारत की बॉलिंग की कमजोरी पर जोर दिया। ज्ञड्डुश्चरूड्डुस्र पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह के अलावा साउथ अफ्रीकी बल्लेबाजों को रोकने के लिए भारतीय गेंदबाजों में आइडिया की कमी दिखी। उन्होंने कहा कि भारतीय गेंदबाजी की पोल खुल गई है। अगर आप वरुण को देखें तो जिनकी ताकत 97-98 किलोमीटर प्रतिघंटे की स्पीड से बॉलिंग करना है तो वो 94 की स्पीड से बॉल फेंक रहे थे और जब वो अटैक पर आए तो डेवाल्ड ब्रेविस ने उन्हें बिना देखे छक्का मारा। उन्होंने आगे कहा कि दूसरी बात हार्दिक और शिवम दुबे जैसे खिलाड़ी 120 किलोमीटर प्रतिघंटे की स्पीड से बॉलिंग कर रहे थे। ऐसा नहीं है कि वे मैल्कम मार्शल हैं जो साउथ अफ्रीका जैसी बैटिंग लाइन-अप को डरा सकते हैं। अगर आप उन्हें आखिरी ओवरों में गेंदबाजी दे रहे हैं तो प्रोटियाज का ऐसा काउंटर अटैक होना ही था। भारत ने कुलदीप यादव को साउथ अफ्रीका के खिलाफ बेंच पर बिठाकर बड़ी गलती की। शोएब ने कहा कि मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि यहां मिसिंग लिंक कुलदीप यादव हैं। वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो असल में आपको हवा में धोखा दे सकते हैं और जरूरत पड़ने पर विकेट दिला सकते हैं। वह बहुत कॉम्पिटिटिव स्पिनर हैं और हम जानते हैं कि वह कितने बड़े मैच-विनर हैं। उन्होंने आगे कहा कि वरुण और सुंदर एक जैसे स्किलसेट वाले बॉलर हैं और प्रॉब्लम यह थी कि उन दोनों को बैकफुट पर धकेल दिया गया। साउथ अफ्रीका के खिलाफ इंडिया की बॉलिंग बहुत कमजोर दिखी।

कतर ओपन 2026: कार्लोस अल्काराज ने 50 मिनट में जीता खिताब

दोहा, एजेंसी। विश्व नंबर एक टेनिस स्टार Carlos Alcaraz ने कतर ओपन 2026 के फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए Arthur Fils को एकतरफा मुकाबले में 6-2, 6-1 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। यह मुकाबला महज 50 मिनट तक चला, जिसमें अल्काराज़ पूरी तरह हावी रहे।

2026 में जीत का अटूट सिलसिला: इस जीत के साथ ही अल्काराज़ ने 2026 में लगातार 12 मैच जीतने का रिकॉर्ड कायम रखा है। इससे पहले वह इस साल Australian Open का खिताब भी अपने नाम कर चुके हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर उन्होंने करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया था और चारों ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे। उस ऐतिहासिक उपलब्धि के महज 20 दिन बाद उन्होंने दोहा में एक और ट्रॉफी जोड़ ली।

टूर खिताबों की संख्या पहुंची 26: दोहा में खिताब जीतने के साथ ही अल्काराज़ के करियर के टूर-स्तरीय खिताबों की संख्या अब 26 हो गई है। फाइनल में उन्होंने आक्रामक सर्विस, सटीक ग्राउंड स्ट्रोक और बेहतरीन मूवमेंट का प्रदर्शन किया, जिससे फिल्स को वापसी का कोई मौका नहीं मिला।

अल्काराज़ ने क्या कहा?: खिताब जीतने के बाद अल्काराज़ ने कहा- साल की शुरुआत वाकई बहुत शानदार रही है। मैं अपने खेल से बेहद खुश हूं और इसी लय को आगे भी बरकरार रखना चाहता हूं।

शानदार फॉर्म में स्पेनिश स्टार: अल्काराज की मौजूदा फॉर्म को देखते हुए वह 2026 सीजन में और बड़े रिकॉर्ड बनाने की ओर बढ़ रहे हैं। उनकी फिटनेस, आक्रामक मानसिकता और निरंतरता उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाती है। दोहा में मिली यह जीत उनके आत्मविश्वास को और मजबूत करेगी।

वेस्टइंडीज की जीत से भारत की बढ़ी टेंशन

टी20 वर्ल्ड कप: सेमीफाइनल में पहुंचने की राह हो सकती है मुश्किल

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज की टीम ने सुपर 8 के अपने पहले ही मुकाबले में जिम्बाब्वे को जिस तरह से हराया उससे जाहिर हो गया कि इस टीम के इरादे क्या हैं। वेस्टइंडीज की ये इस टूर्नामेंट में लगातार 5वीं जीत रही। इससे पहले ग्रुप स्टेज में इंडीज ने अपने सभी चारों मुकाबले जीते थे और फिर जिम्बाब्वे को तो इस टीम ने पूरी तरह से रौंद दिया। वेस्टइंडीज की इस जीत के बाद भारत के लिए टेंशन बढ़ सकती है। दरअसल जिम्बाब्वे के खिलाफ इंडीज ने जिस तरह की बेखौफ क्रिकेट खेली उससे बाद साफ तौर पर लगा कि वो भारत और साउथ अफ्रीका दोनों टीमों को टक्कर दे सकती है। संभावना इस बात की भी है कि वेस्टइंडीज का दिन रहा तो वो इन टीमों को हरा भी सकती है।

वेस्टइंडीज ने बढ़ाई टीम इंडिया की टेंशन

वेस्टइंडीज ने जिम्बाब्वे को हरा दिया और वो ग्रुप 1 की अंकतालिका में बेहतरीन रन रेट के साथ पहले स्थान पर पहुंच गया। अब इस टीम को भारत और साउथ अफ्रीका से मैच खेलना है। अगर इंडीज ने इन दोनों में से किसी भी एक टीम को हरा दिया तो इस टीम के 4 अंक हो जाएंगे। वहीं भारत अगर अपने अगले दोनों मैच जीत जाता है तो फिर भारत को भी 4 अंक हो जाएंगे। वहीं साउथ अफ्रीका को अब वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे के साथ मैच खेलना है। अगर साउथ अफ्रीका वेस्टइंडीज से जीत गया और इसने जिम्बाब्वे को हरा दिया तब साउथ अफ्रीका के भी 4 अंक हो जाएंगे यानी यहां पर बेहतर रन रेट का मामला फंसेगा।

वेस्टइंडीज से हार के बाद भारत हो जाएगा बाहर

अब आगे की बात करते हैं कि अगर वेस्टइंडीज ने भारत को हरा दिया तो फिर भारत का सफर टी20 वर्ल्ड कप में वहीं पर खत्म हो जाएगा। यानी भारत की स्थिति गंभीर है कि वो किसी भी तरह से इंडीज के खिलाफ अपना मैच नहीं गंवाए। वहीं भारत अगर वेस्टइंडीज को हरा देता है तो उसे दुआ करनी होगी की साउथ अफ्रीका भी वेस्टइंडीज को हरा दे क्योंकि अगर वेस्टइंडीज ने साउथ अफ्रीका को हरा दिया तो फिर मामला भारत के लिए फिर से फंसेगा। यानी इंडीज की इस जीत ने भारत के लिए राह मुश्किल कर दी है और वेस्टइंडीज का फॉर्म ऐसा है कि आप इस टीम की सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना को भी नहीं नकार सकते।

‘साउथ अफ्रीका का शुक्रिया,’ संजय मांजरेकर ने भारत की हार पर दी दिलचस्प प्रतिक्रिया; कहा ये बदलाव बेहद जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। संजय मांजरेकर ने भारत की साउथ अफ्रीका के खिलाफ हार के बाद दी प्रतिक्रिया भारतीय टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ मिली हार के बाद लगातार सवालों के घेरे में है। साउथ अफ्रीका से हारना टीम इंडिया के लिए बहुत बड़ी बात नहीं थी लेकिन जो अप्रोच टीम इंडिया ने दिखाया वो बड़ा सवाल था। भारतीय टीम के 11 में से 8 बल्लेबाज कुछ नहीं कर पाए। इसी कारण अब पूर्व क्रिकेटर्स भी टीम इंडिया को जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच से पहले नसीहत दे रहे हैं। उसी कड़ी में संजय मांजरेकर ने बेहद दिलचस्प प्रतिक्रिया दी है। संजय मांजरेकर ने साउथ अफ्रीका की टीम को शुक्रिया कहा है। उन्होंने कहा है कि साउथ अफ्रीका की टीम का धन्यवाद, अब हमें पता है कि हमें क्या करना है। इसके बाद मांजरेकर ने तीन बेहद जरूरी बदलाव बताए जो टीम इंडिया को जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच से पहले करने चाहिए। उन्होंने इसमें कुलदीप यादव को खिलाने का भी जिक्र किया। टॉप ऑर्डर में ऐसे बल्लेबाजों को मौका दिया जाए जो स्पिन के खिलाफ संयम और धैर्य से बल्लेबाजी कर सकें। उनका इशारा इस तरफ था कि पहली बॉल से स्पिनर्स के खिलाफ अटैक नहीं करना चाहिए। टीम इंडिया के थ्रो डाउन स्पेशलिस्ट को प्रैक्टिस सेशन में कई धीमी गेंद फेंकनी चाहिए और बल्लेबाजों को अभ्यास करवाना चाहिए। जैसा कि देखा गया कि साउथ अफ्रीका के सभी पेसर्स ने धीमी गेंद पर भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया था।

कुलदीप यादव को टीम में मौका मिलना चाहिए। कुलदीप के टीम में आने से एक विकेट लेने का अतिरिक्त विकल्प टीम के पास आ जाएगा।

जिबावे-वेस्टइंडीज सुपर 8 मैच के बाद अंकतालिका, भारत को हराने वाला साउथ अफ्रीका नीचे फिसला

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर 8 मुकाबले में वेस्टइंडीज ने जिम्बाब्वे को एकतरफा अंदाज में 107 रन के बड़े अंतर से हरा दिया। इस मैच में वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 254 रन बनाए और फिर जिम्बाब्वे की टीम को 147 रन पर आउट कर दिया।

इस जीत के बाद जिम्बाब्वे ने सुपर 8 में तगड़ी शुरुआत की और जिम्बाब्वे को एकतरफा अंदाज में हराते हुए ग्रुप 1 की अंकतालिका में टॉप पर पहुंच गई। वेस्टइंडीज ने साउथ अफ्रीका को पीछे छोड़ दिया जिसने भारत को हराने के बाद पहला स्थान हासिल किया था। वेस्टइंडीज की जीत के बाद अब साउथ अफ्रीका की टीम दूसरे नंबर पर खिसक गई।

वेस्टइंडीज-जिम्बाब्वे मैच के बाद ग्रुप 1 की अंकतालिका में भारत अब तीसरे नंबर पर चला गया जबकि जिम्बाब्वे की टीम चौथे नंबर पर है। वेस्टइंडीज का रन रेट इस मैच के बाद 5.35 का हो गया जबकि साउथ अफ्रीका का रन रेट 3.8 है। वहीं भारत का नेट रन रेट इस मुकाबले के बाद -3.8 है जबकि जिम्बाब्वे का रन रेट -5.35 है। ‘120 की रफ्तार वाले बॉलर से विरोधी टीम को कैसे डराओगे’।

भारत-जिम्बाब्वे मैच में 25 प्रतिशत बारिश का अनुमान

मुकाबला रद्द होने पर टीम इंडिया की बढ़ जाएंगी मुश्किलें

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम को टी20 वर्ल्ड कप 2026 के पहले सुपर 8 मैच में साउथ अफ्रीका के खिलाफ मिली हार से मुश्किलें बढ़ गई हैं। अब टीम इंडिया की सेमीफाइनल में जाने की राह भी कठिन हो गई है।

ऐसे में अगर आने वाले भारत के मैचों में बारिश विलेन बनी तो मुश्किलें और बढ़ जाएंगी। भारत अपना अगला सुपर 8 मैच 26 फरवरी को चेन्नई में खेलेगा और उस दिन 25 प्रतिशत बारिश का अनुमान है।

भारत और जिम्बाब्वे का मैच गुरुवार को खेला जाएगा। एक्यूवेदर के मुताबिक इस दिन चेन्नई में 25 प्रतिशत बारिश का पूर्वानुमान है। अगर बारिश ने खेल बिगाड़ा या मुकाबला रद्द होता है, तो टीम इंडिया की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। क्योंकि साउथ अफ्रीका के खिलाफ मैच में हार के बाद अब टीम इंडिया का नेट रनरेट भी काफी खराब हो चुका है।

भारत-जिम्बाब्वे मैच रद्द होने पर क्या होगा गणित?

भारतीय टीम पहला मैच साउथ अफ्रीका से हारकर आई है। वहीं जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच रद्द हुआ तो भारत को एक अंक ही मिलेगा। ऐसी स्थिति में अगर भारत वेस्टइंडीज से मैच जीता तो भी उसके 3 अंक ही रहेंगे। ऐसी स्थिति में अगर वेस्टइंडीज ने साउथ अफ्रीका को हरा दिया तो भारत की मुश्किल बढ़ जाएगी। ऐसे में 3 अंक के बावजूद टीम इंडिया वर्ल्ड कप से बाहर हो जाएगी। अगर वेस्टइंडीज की टीम साउथ अफ्रीका से हारी और भारत ने भी वेस्टइंडीज को हरा दिया। फिर भारत ग्रुप 1 में वेस्टइंडीज से ऊपर हो जाएगा। इस स्थिति में टीम इंडिया को यह मनाना होगा कि जिम्बाब्वे की टीम साउथ अफ्रीका को मात ना दे पाए। अगर जिम्बाब्वे साउथ अफ्रीका से हारी और वेस्टइंडीज भी साउथ अफ्रीका से हारी। उस कंडीशन में जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच रद्द होने और वेस्टइंडीज को हराने के बाद टीम इंडिया 3 अंक के साथ भी क्वालिफाई कर लेगी।

‘वो चले गए’, कोहली का नाम सुन सहवाग ने दी तीखी प्रतिक्रिया

तिलक, सूर्यकुमार, शिवम दुबे, हार्दिक जैसे खिलाड़ियों को दी नसीहत

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका से हार के बाद टीम इंडिया के पूर्व ओपनर बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के सामने जब विराट कोहली का नाम लिया गया तो वो थोड़े से भड़के हुए नजर आए। दरअसल सहवाग से एक शो के दौरान पूछा गया कि साउथ अफ्रीका से मिली हार के बाद क्या आपको टीम इंडिया में विराट कोहली की कमी खल रही है, काश वो होते।

विराट कोहली अब चले गए– सहवाग से ये सवाल क्रिकबज पर पूछा गया। एंकर के इस सवाल का जवाब देते हुए सहवाग ने कहा कि ऐसा नहीं है कि कोहली चले गए तो... हम भी कहते की काश सचिन तेंदुलकर खेल रहे होते। उन्होंने भी बहुत मैच जिताए हैं और उनका समय था और वो चले गए। वो खत्म हो गया और अब आप विराट कोहली से आगे बढ़ चुके हो। अब किसी और को विराट कोहली बनना पड़ेगा।

सहवाग ने आगे कहा कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ बहुत खिलाड़ियों के पास विराट कोहली बनने का मौका था। तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या के पास विराट कोहली बनने का मौका था। किसी को तो कोहली बनना पड़ेगा, किसी को तो मैच खत्म करना पड़ेगा।

कोहली की तरह मैच खत्म करना सीखना होगा– सहवाग ने कहा कि भारत-साउथ अफ्रीका मैच के दौरान जब मैं कमेंट्री कर रहा था तब एक आंकड़ा सामने आया जिसमें था कि विराट कोहली के बिना भारत ने टी20 वर्ल्ड कप में कभी 160 से बड़ा स्कोर चेज ही नहीं किया है। कोहली नॉट आउट जाते थे, मैच खत्म करके जाते थे। साउथ अफ्रीका के खिलाफ किसने मैच खत्म किया। इस वर्ल्ड कप में किस भारतीय बैटर ने मैच खत्म किया है अब तक। किसी को तो विराट कोहली बनना पड़ेगा, वो आपको सीखना पड़ेगा। आप चेज कर रहे हैं तो देखो और मैच खत्म करो।

जिम्बाब्वे के खिलाफ 2 खिलाड़ियों को किया जा सकता है टीम में शामिल, अश्विन ने प्लेइंग 11 में बदलाव की बात कही

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका के खिलाफ मिली हार के बाद भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव को अब देखना है कि टीम में क्या कमी है। भारत को अब अगले दो सुपर 8 मुकाबलों में अपनी कमियों को दूर करके ही मैदान पर उतरने की जरूरत है जिससे कि वो जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ गलतियां करने से बच सकें।

टीम के लिए जरूरी है स्टैबिलिटी– टीम इंडिया की हार के बाद पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने कहा कि अगर भारतीय टीम के अंदर कोई परेशानी है तो इसका हल खिलाड़ी खुद निकाल सकते हैं। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि अब इसका हल खोजने का समय है। मुझे लगता है कि बदलाव करके ही सॉल्यूशन निकाले जाते हैं और नहीं, अगर टीम में स्टेबिलिटी होगी तो खिलाड़ी खुद ही सॉल्यूशन खोज लेंगे। हमें माहौल ऐसा रखना होगा कि खिलाड़ी स्टेबल महसूस करें और अपने लिए सोचें। हम हमेशा बदलाव करने के बारे में नहीं सोच सकते, नहीं तो वे इनसिक्योरिटी में चले जाएंगे।

सड़क गुम, पुल अधूरा... सिस्टम मजबूर दंडवत परिक्रमा से दहला कलेक्ट्रेट

युवक की 15 मार्च की चेतावनी ने बढ़ाया दबाव

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जनसुनवाई का दिन इस बार भावनाओं और आक्रोश के उफान का गवाह बना। विभाग क्रमांक-1 रीवा के कथित भ्रष्टाचार और वर्षों से अधूरे पड़े सड़क-पुल निर्माण को लेकर एक युवक ने कलेक्ट्रेट गेट से लेकर कार्यालय तक दंडवत परिक्रमा कर प्रशासन को झकझोर दिया। हाथ में नारियल और आवेदन लिए पहुंचे युवक ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूपी) के जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदार पर मिलीभगत का गंभीर आरोप लगाया। मामला सिरमौर विधानसभा की जवा तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत गाढ़ा 138 के कोटिहा टोला और खटिकान टोला का है। ग्रामीणों का कहना है कि आजादी के 78 वर्ष बाद भी यहां पक्की सड़क और पुल का सपना अधूरा है। बरसात के चार महीनों में हालात ऐसे हो जाते हैं कि हजारों लोग गांव में कैद हो जाते हैं। स्कूली बच्चों की पढ़ाई ठप पड़ जाती है, तो प्रसूति या गंभीर बीमारी की स्थिति में मरीजों को उफनते नाले के पार खाट के सहारे ढोकर ले जाना पड़ता है। शिकायतकर्ता धनेश सोनकर का दावा है कि उसके लगातार संघर्ष के बाद करीब 2.51 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत हुई थी और तीन वर्ष पहले निविदा भी जारी हुई। लेकिन आरोप है कि निर्माण कार्य में भारी अनियमितता बरती गई और काम अधूरा छोड़ दिया गया। सोनकर का कहना है कि संबंधित एसडीओ और ठेकेदार की सांठगांठ से लीपापोती कर सरकारी धन का दुरुपयोग हुआ। दो वर्षों से अधिक समय से जनसुनवाई और पीडब्ल्यूडी कार्यालय के चक्कर काट रहे युवक ने आरोप लगाया कि हर बार आश्वासन मिला लेकिन जमीन पर काम नहीं हुआ। आखिरकार उसने विरोध का अनोखा रास्ता चुना और दंडवत परिक्रमा करते हुए अपर कलेक्टर को नारियल के साथ आवेदन सौंपा। युवक ने मांग की है कि अधूरे निर्माण को तत्काल पूरा कराया जाए या नई निविदा जारी कर कार्य प्रारंभ कराया जाए। साथ ही उसने चेतावनी दी है कि यदि 15 मार्च तक मांगें पूरी नहीं हुईं तो वह आत्मघाती कदम उठाएगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस चेतावनी के बाद प्रशासनिक महकमे में हलचल तेज हो गई है और अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या सिस्टम जागेगा या फिर यह संघर्ष भी फाइलों में दफन हो जाएगा।

अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों से प्रतिभा योजना के तहत आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों से प्रतिभा योजना के तहत आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन एमपीटीएएससी पोर्टल पर 20 फरवरी से 20 मार्च तक किए जा सकते हैं। इस संबंध में जिला संयोजक केके पाण्डेय ने बताया कि प्रतिभावान अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिए 'प्रतिभा योजना' के तहत विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इस महत्वाकांक्षी योजना का मुख्य उद्देश्य उन सक्षम और मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित करना है, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर की कठिनतम प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता का परचम लहराया है। जिला संयोजक ने बताया कि योजना के तहत अनुसूचित जनजाति वर्ग के वे विद्यार्थी लाभान्वित होंगे जिन्होंने जेईई, नीट, क्लैट, एम्स या एनडीए जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं को उत्तीर्ण कर देश के प्रमुख संस्थानों आईआईटी, एनआईटी, एनएलयू या एम्स में प्रवेश लिया है। इसके अतिरिक्त मध्यप्रदेश स्थित शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में एमबीबीएस में प्रवेश लेने वाले छात्र भी इस योजना के पात्र होंगे। योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक को मध्यप्रदेश का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है। विद्यार्थी के परिवार की वार्षिक आय 6 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। आवेदक के पास विभाग का 'हितग्राही प्रोफाइल पंजीकरण' होना आवश्यक है। छात्र का बैंक खाता आधार से लिंक होना अनिवार्य है ताकि राशि सीधे खाते में भेजी जा सके। विभाग ने आवेदन की प्रक्रिया को पूरी तरह व्यवस्थित और पारदर्शी रखा है। संस्थान में प्रवेश लेने के पश्चात छात्र को योजना के लिए आवेदन करना होगा, जिसकी पुष्टि संबंधित शिक्षण संस्थान द्वारा की जाएगी। विभागीय अधिकारियों द्वारा दस्तावेजों की सूक्ष्म जांच के बाद प्रोत्साहन राशि सीधे विद्यार्थी के बैंक खाते में हस्तांतरित कर दी जाएगी। आवेदन की अद्यतन स्थिति की जानकारी छात्र को उनके पंजीकृत ईमेल और मोबाइल नंबर पर एसएमएस के माध्यम से निरंतर दी जाती रहेगी।

खेत की बाउंड्री को लेकर विवाद, जान से मारने की धमकी का आरोप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रायपुर कर्चुलियान थाना क्षेत्र के पड़रा गांव में खेत की बाउंड्री कराने को लेकर पारिवारिक विवाद खूनी झड़प में बदल गया। सोमवार को विवाद के दौरान एक युवक के सिर पर सरिया से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फरियादी गोपाल कृष्ण द्विवेदी (23) पुत्र श्यामधर द्विवेदी निवासी ग्राम पड़रा ने अपने बड़े पिता रिपुसूदन प्रसाद द्विवेदी के साथ थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। गोपाल अपने वैरिहाई स्थित खेत में गड्ढा खुदवाकर बाउंड्री का काम करा रहा था। इसी दौरान परिवार के ही कृष्णधर द्विवेदी और उनका बेटा रोहित द्विवेदी मौके पर पहुंचे और बाउंड्री निर्माण को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद करने लगे। गाली-गलौज के बाद सरिया से हमला किया दोनों पर पहले गाली-गलौज की गई और विरोध करने पर मारपीट शुरू करने का आरोप लगाया है। गोपाल ने बताया कि कृष्णधर ने उसे पकड़ लिया और रोहित ने लोहे की सरिया से उसके सिर पर जोरदार वार कर दिया। इससे उसका सिर फट गया और खून बहने लगा। शोर सुनकर रामानुज पाण्डेय रायपुर कर्चुलियान थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मेडिकल परीक्षण कराया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पिपराही में कार-ट्रैक्टर की टक्कर बनारस के दो लोग घायल, पुलिस ने मामला दर्ज किया

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। हनुमना थाना क्षेत्र के पिपराही गांव में मंगलवार दोपहर एक सड़क हादसे में बनारस के दो लोग घायल हो गए। एक ऑल्टो कार और गिट्टी से लदे ट्रैक्टर के बीच आमने-सामने की टक्कर हुई। घायलों में 45 वर्षीय राजेश यादव और उनका एक साथी शामिल हैं, जो निजी काम से चितरंगी (सीधी) जा रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑल्टो कार (यूपी 65 बीडब्लू 9951) का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर की आवाज दूर तक सुनाई दी, जिसके बाद आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। हादसे के बाद कुछ देर के लिए सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों राजेश यादव और उनके साथी को क्षतिग्रस्त कार से बाहर निकाला। डायल 112 को सूचना दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को तत्काल अस्पताल भिजवाया। डॉक्टरों के अनुसार, घायलों को सिर और नाक में चोटें आई हैं, लेकिन उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। हनुमना पुलिस ने मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है पुलिस ने बताया कि हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। प्राथमिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही को दुर्घटना का संभावित कारण माना जा रहा है।

भोपाल किसान महापंचायत में उमड़ा जनसैलाब कुंवर सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में मंगलवार 24 फरवरी 2026 को आयोजित किसान महापंचायत में बड़ी संख्या में किसानों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मौजूदगी ने राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी। कार्यक्रम का आह्वान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा किया गया था। सभा में कृषि संकट समर्थन मूल्य कर्जमाफी और फसल बीमा जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। वक्ताओं ने किसानों की आय दोगुनी करने के दावों और जमीनी हकीकत के बीच अंतर पर सवाल खड़े किए। वहीं रीवा से कांग्रेस पिछड़ा वर्ग के राष्ट्रीय समन्वयक कुंवर सिंह पटेल के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता महापंचायत में शामिल हुए। उनके साथ आए कार्यकर्ताओं ने किसान हितों की रक्षा और संगठन की मजबूती का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में प्रदेशभर से पहुंचे प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर किसान मुद्दों पर व्यापक आंदोलन की रणनीति बनाने का संकेत दिया। आयोजकों के अनुसार यह महापंचायत आने वाले समय में किसान आंदोलन की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

कमिश्नर और अन्य अधिकारी साइकिल से पहुंचे कार्यालय

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पर्यावरण की सुरक्षा तथा स्वयं की स्वास्थ्य रक्षा के उद्देश्य से सप्ताह में मंगलवार के दिन कमिश्नर बीएस जामोद की पहल पर अधिकारी और कर्मचारी साइकिल से कार्यालय पहुंच रहे हैं। यह क्रम लगातार बना हुआ है। सुमंगल साइकिल दिवस पर कमिश्नर और अन्य अधिकारी साइकिल से कमिश्नर कार्यालय पहुंचे। कमिश्नर के साथ संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय, खनिज अधिकारी बसंतराम, सहायक यंत्री संजीव कालरा अन्य संभागीय अधिकारी तथा कमिश्नर कार्यालय के कर्मचारी भी साइकिल से कार्यालय पहुंचे। जबकि संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी एवं उपायुक्त एलएल अहिरवार ई-ऑटो से कार्यालय पहुंचे।

नईगढ़ी पुलिस ने लालगंज चौराहे से पकड़ा, बाइक और नकदी बरामद 5000 के इनामी लुटेरा सैफ खान गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। नईगढ़ी थाना पुलिस ने लूट के मामले में फरार चल रहे 5 हजार रुपए के इनामी आरोपी सैफ खान (24) को गिरफ्तार किया है। उसे मुखबिर की सूचना पर लालगंज चौराहे से पकड़ा गया। पुलिस ने आरोपी के पास से वारदात में इस्तेमाल की गई बाइक और 3500 रुपए नकद जब्त किए हैं। पुलिस के अनुसार, यह मामला 17 दिसंबर 2025 का है। ग्राम डीही (बैजला) निवासी राजेंद्र कुशवाहा अपनी बहन के साथ अष्टभुजा कूड़ा घूमने गए थे। वहां फोटो खींचने के दौरान तीन युवकों ने उनके साथ मारपीट कर 5000 रुपए नकद, मोबाइल, ब्लूटूथ और पर्स लूट लिया था। आसपास मौजूद लोगों ने आरोपियों की पहचान अब्दुल रहीम खान, रशीद खान और सैफ खान, निवासी लालगंज के रूप में की थी। इस मामले में पहले ही दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा चुका है। पूछताछ में यह भी सामने आया कि इन आरोपियों ने 2 दिसंबर 2025 को यूनियन बैंक भलुहा के पास एक महिला से 20 हजार रुपए से भरा पर्स भी छीना था। फरार सैफ खान की लगातार तलाश की जा रही थी। 23 फरवरी 2026 को उसके लालगंज में देखे जाने की सूचना मिली सूचना मिलने पर थाना प्रभारी उप निरीक्षक गोविंद तिवारी के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई टीम ने दबिश देकर सैफ खान को गिरफ्तार कर लिया इस कार्रवाई में थाना प्रभारी गोविंद तिवारी सहित पूरी पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पूर्व विधायक ने खुद चलाई बस,विधानसभा घेराव के लिए सुखेंद्र सिंह बन्ना कार्यकर्ताओं संग भोपाल रवाना

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। सोमवार शाम कांग्रेस के पूर्व विधायक सुखेंद्र सिंह बन्ना खुद बस चलाकर सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ भोपाल के लिए रवाना हुए। यह काफिला मंगलवार को भोपाल में होने वाले विधानसभा घेराव में शामिल होने जा रहा था। पूर्व विधायक का स्वयं ड्राइविंग सीट पर बैठना चर्चा का मुख्य विषय रहा। बस ने दोपहर करीब 4 बजे मऊगंज से भोपाल के लिए प्रस्थान किया। कार्यकर्ताओं ने 'कांग्रेस जिंदाबाद' और 'विधानसभा घेराव सफल हो' जैसे नारे लगाए, जिससे माहौल में उत्साह भर गया। इस दौरान नेता और कार्यकर्ताओं के बीच की दूरी कम होती दिखी। पूर्व विधायक बन्ना के बस चलाने का शेयर किया जा रहा है। उनके समर्थक इसे जमीनी जुड़ाव का प्रतीक मान रहे हैं, जबकि राजनीतिक गलियारों में इसे शक्ति प्रदर्शन के तौर पर देखा जा रहा है। कांग्रेस द्वारा आयोजित विधानसभा घेराव को लेकर जिले भर में सक्रियता बढ़ गई है। मऊगंज से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भोपाल के लिए रवाना हुए हैं। अब सभी की निगाहें मंगलवार को होने वाले इस प्रदर्शन पर टिकी हैं, जहां पार्टी प्रदेश स्तर पर अपनी ताकत का प्रदर्शन करने की तैयारी में है।

सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में बड़ी उपलब्धि

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विंध्य क्षेत्र के प्रमुख चिकित्सा केंद्र सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में ह्रदय रोग विभाग के विशेषज्ञों ने एक बार फिर अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया है। वरिष्ठ ह्रदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सुरेंद्र कुमार तिवारी और उनकी टीम ने एक मरीज के शरीर में दुर्लभ स्थिति होने के बावजूद सफलतापूर्वक पेसमेकर इम्प्लांट कर नया जीवन दिया है। उल्लेखनीय है कि अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग में आए इस चुनौतीपूर्ण प्रकरण में मरीज की जन्मजात शारीरिक बनावट सामान्य से अलग थी। सामान्यत: पेसमेकर की लीड दाईं ओर की नस से डाली जाती है, लेकिन मरीज में 'लेफ्ट सुपीरियर वेना कावा' होने के कारण यह प्रक्रिया तकनीकी रूप से अत्यंत जटिल थी।

रीवा रेंज में आरोप पत्रों पर सस्पेंस! आईजी कार्यालय की फाइलें बनी चर्चा का केंद्र, कार्रवाई में देरी पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा रेंज के पुलिस महकमे में विभागीय जांच के आरोप पत्रों को लेकर माहौल गर्म है। जिन पुलिसकर्मियों के खिलाफ जांच पूरी हो चुकी है और आरोप पत्र तैयार किए जा चुके हैं उनकी फाइलें अब तक अंतिम निर्णय के इंतजार में बताई जा रही हैं। इस देरी ने न केवल विभागीय प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए हैं बल्कि पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर भी बहस छेड़ दी है। सूत्रों के अनुसार कई मामलों में प्रारंभिक जांच और साक्ष्य संकलन के बाद आरोप पत्र तैयार कर संबंधित स्तर पर भेजे गए थे। लेकिन आईजी कार्यालय में पहुंची फाइलों पर अपेक्षित गति से कार्रवाई न होने की चर्चा है। आरोप है कि समय सीमा के भीतर निर्णय न होने से मामलों की गंभीरता पर असर पड़ सकता है। हालांकि इस संबंध में आधिकारिक तौर पर कोई विस्तृत बयान सामने नहीं आया है। पुलिस विभाग में आरोप पत्र एक महत्वपूर्ण दस्तावेज होता है जिसके आधार पर संबंधित कर्मी को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाता है। इसके बाद ही अनुशासनात्मक कार्रवाई का अगला चरण शुरू होता है। ऐसे में यदि यह चरण लंबित रहता है तो पूरी जांच प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। स्थानीय स्तर पर यह भी सवाल उठ रहा है कि क्या आरोप पत्रों पर निर्णय लेने में तकनीकी कारण हैं या फिर प्रशासनिक स्तर पर देरी हो रही है। कुछ लोगों का कहना है कि यदि सभी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं, तो कार्रवाई में विलंब का कोई ठोस कारण स्पष्ट किया जाना चाहिए ताकि भ्रम की स्थिति न बने। जनता और विभागीय हलकों में यह चर्चा भी है कि लंबित आरोप पत्रों की स्थिति को सार्वजनिक किया जाए जिससे पारदर्शिता बनी रहे। साथ ही यह भी मांग उठ रही है कि यदि किसी मामले में आरोप सिद्ध होते हैं, तो समय पर अनुशासनात्मक कदम उठाए जाएं ताकि व्यवस्था की साख मजबूत रहे। फिलहाल पूरा मामला आरोप पत्रों की फाइलों के इर्द-गिर्द घूम रहा है। अब सबकी नजर इस बात पर है कि आईजी कार्यालय इन लंबित दस्तावेजों पर कब निर्णय लेता है और क्या कार्रवाई की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। रीवा रेंज में चल रही इस चर्चा ने पुलिस महकमे की कार्यप्रणाली को एक बार फिर सुर्खियों में ला दिया है।

अपर कलेक्टर ने 93 आवेदन पत्रों में की जनसुनवाई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, संयुक्त कलेक्टर राजेश कुमार सिन्हा और डिप्टी कलेक्टर सुरभि अग्रवाल ने आमजनता के 93 आवेदन पत्रों में जनसुनवाई की। अपर कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी आमजनता द्वारा दिए गए आवेदन पत्रों में निर्धारित समय सीमा में आवश्यक कार्यवाही कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। जनसुनवाई में गजेन्द्र साकेत निवासी गुढ़ ने निर्धारित स्थल में प्रधानमंत्री आवास निर्माण का लाभ प्रदान करने के संबंध में आवेदन दिया। अपर कलेक्टर ने आवेदन पत्र में एसडीएम गुढ़ को जाँच कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। सियावती साकेत निवासी बोदाबाग ने गरीबी रेखा में नाम जोड़ने के लिए आवेदन दिया। अपर कलेक्टर ने तहसीलदार हुजूर को आवेदन पत्र में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। नसीबुननिशा निवासी बिछिया ने स्थाई पट्टे की भूमि पर बने पुस्तैनी मकान को गिराने वालों पर कार्यवाही तथा गृहस्थी का सामान वापस दिलाने तथा अरूण कुमार त्रिपाठी निवासी उर्रहट ने नाली निर्माण कराने लिए आवेदन दिया दिया। अपर कलेक्टर ने आवश्यक कार्यवाही के लिए नगर निगम की ओर आवेदन पत्रों को प्रेषित किया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।